

नई दिल्ली
बुधवार
21 अक्टूबर 2026
वर्ष: 13, अंक: 47
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु०

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhawnatoday@gmail.com

web: www.sadbhawna.today

पटना के गांधी मैदान में रावण दहन, राज्यपाल...पेज-05

DELHIN/2014/58158

भगवान श्रीराम ने रिश्तों का महत्व बताया, अपने...पेज-08



एक नजर

**भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय
टीम घोषित, सात उपाध्यक्ष
और तीन महामंत्री नियुक्त**

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा की। युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वडोदरा से सांसद हेमंग जोशी ने पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। नई टीम में सात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, तीन राष्ट्रीय महानंत्री और सात राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष और मीडिया एवं सोशल मीडिया विभागों के प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई है। हेमंग जोशी ने विज्ञापित जारी कर कस कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार इन पदाधिकारियों को नियुक्ति की गई है। सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। सूची के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के विलायक शत्रुगुण परिसर और पश्चिम बंगाल के विधायक सोमनाथ कार्फा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा उत्तर प्रदेश के निखिल मणि तिवारी, नगालैंड के अरविंद दामानी, तेलंगाना की मालोले कोमली लाकड़, बिहार के राजेंद्र सिंह और छत्तीसगढ़ के भूपेंद्र नाग को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय महानंत्री के पद पर ओडिशा की अर्पिता अपराजिता बजेजा, उत्तर प्रदेश के रश्मिज्वल सिंह और आंध्र प्रदेश के मित वामशी कृष्णा को नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय मंत्रियों के रूप में असम के बिस्वजीत खाउंड, मध्य प्रदेश के आशीष झाला, महाराष्ट्र की सायली रघुनाथ कुलकर्णी, राजस्थान के हिमांशु शर्मा, पंजाब के सरदार अरमनजोत बराड़, झारखंड के अमन यादव और बिहार के राहुल झा को राजधानी सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश के वीनित वसु त्यागी को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजस्थान के देवव्रत सिंह राजावत को राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मीडिया विभाग की जिम्मेदारी बिहार के हिमांशु यादव को दी गई है। दिल्ली की शिवानी सिंह और विष्णु बसोया तथा हिमाचल प्रदेश के अतुल ठाकूर को मीडिया सह-प्रभारी बनाया गया है। वहीं, दिल्ली के अपूर्व सिंह को युवा मोर्चा का सोशल मीडिया प्रभारी और बिहार के मुनव्वेर चौहान को सह-प्रभारी नियुक्ति किया गया है। भाजपा युवा मोर्चा की नई टीम में विभिन्न राज्यों के युवा नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

आशुतोष रांका और सौरव दास ने न्यायिक हिरासत बढ़ाने को हाई कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। काकरोय जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका ने आज दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अपनी न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने के खिलाफ तत्काल सुनवाई की मांग की है। दास और रांका ने उच्च न्यायालय में रात के समय सुनवाई का आग्रह किया है, जबकि दफ्तरशायी के छुट्टियों के कारण इस हफ्ते उच्च न्यायालय बंद है। स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) ने 19 अक्टूबर को दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी थी। सीजेपी के दोनों नेता 14 अक्टूबर से जेल में हैं। दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के 14 सदस्यों के खिलाफ कर्नाट एक्स और पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक 13 अक्टूबर को सीजेपी के ये सदस्य प्रतिबंधित जल-मंत्र पर निजी परिसर के रास्ते पहुंचे और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डाली। दिल्ली पुलिस ने सौरव दास, आशुतोष रांका और अनिव्य शिंदे के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की है।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना हंड

आवाज़ अधिकार की

**विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य
के लिए भगवान राम के आदर्शों से प्रेरणा लें: मोदी**
विजयदशमी केवल त्योहार नहीं, बल्कि भारत की प्राण ऊर्जा है



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विजयदशमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री राम के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रहित में सभी संस्थाएं और राजनीतिक दल एक साथ खड़े हों, देश के दुश्मनों को मिलकर परास्त करना होगा। श्री मोदी ने ख़िवार को यहां दशहरा के अवसर पर लोगों के संघर्षित किय और कहा कि देश को राजशक्ति के जगिरे जनकल्याण करते हुए जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित में सभी संस्थाओं और राजनीतिक दलों के एक साथ खड़े होने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि देश के दुश्मनों से मिलकर लड़ना होगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन

मे कहा कि विजयदशमी केवल त्योहार नहीं, बल्कि भारत की प्राण ऊर्जा है। यह अत्याचार और आतंक के अंत तथा असत्य पर सत्य की विजय का विश्वास दिलाती है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने कठिनाइयों के बावजूद सत्य और नीति का रास्ता नहीं छोड़ा और धर्म का पालन करते हुए सत्य की स्थापना की। मोदी ने रामराज्य की सुशासन का मानदंड बताते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जहाँ किसी के साथ भेदभाव न हो, सभी को त्याग मिले और सबको समान अवसर प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि सत्ता का उद्देश्य केवल शासन करना नहीं होना चाहिए। जनता को जनार्दन मानकर गरीबों और वंचितों की सेवा को सर्वोपरि रखना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने भगवान राम के जीवन से आत्मनिर्भरता, सामूहिक शक्ति और दृढ़ संकल्प की सीख लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि संकट

**अपने प्लाइंग इंस्ट्रक्टर के साथ
ट्रेनर किरण एयरक्राफ्ट में एयर
चीफ ने 55 मिनट तक उड़ान भरी**

नई दिल्ली, एजेसी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने तेलंगाना के डुंडीगल में अपने उपस्थित होने पर इस्कर डिस्ट्रिक्ट विंग कमांडर वीएस कोचर के साथ उड़ान भरी, जिन्होंने उन्हें 42 साल पहले हवा में उड़ान सिखाया था। एयर फोर्स की एक ऐडमी में एचजेटी-16 ट्रेनर क्रिएशन एयरक्राफ्ट में यह उड़ान भरी, जो एयरमार्शल एपी सिंह के आखिरी सांटींग होगी। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर को चीफ ऑफ एयर स्टाफ के तौर पर उनकी जगह लेंगे।

विग कमांडर वापस कोचर (रिटायर्ड) के साथ कॉकपिट में बैठकर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने मंगलवार को इंडियन एयर फोर्स का किरण मार्क-1 ट्रेन एयरक्राफ्ट उड़ाया। लगभग 55 मिनट की इस उड़ान का इसलिए खास महत्व था, क्योंकि उन्होंने अपने पहले फ्लाईंग इन्स्ट्रक्टर विग कमांडर वापस कोचर (रिटायर्ड) के साथ उड़ान भरी। इस



पल ने वायु सेना प्रमुख की उड़ान यात्रा को पूरा कर दिया। इस मौके ने फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर और उनके स्टूडेंट्स को के बीच के पक्के रिश्ते के साथ-साथ एयर वॉरियर्स की कई पीढ़ियों को बनाने में ट्रेनिंग, मेंटरशिप और अनुशासन की अहम भूमिका को भी दिखाया। उनकी पहली उड़ान से लेकर उनकी आखिरी उड़ान तक वायु सेना के लिए सच, हुनर और समर्पण का एक शानदार सफर रहा। इस मौके को याद करते हुए एयर चीफ मार्शल ने कहा कि यह सच में एक सपना सच होने जैसा था, क्योंकि मैंने अपना सफर इसी एयरक्राफ्ट से शुरू किया था।

**पंजाब में झोटा हत्याकांड
की जांच सीबीआई से
कराने की सिफारिश**

चंडीगढ़। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आज पंजाब के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचने से पहले ही मुख्यमंत्री भूपइंदर सिंह झोटा भागवत मान न परचंदर सिंह झोटा हत्याकांड की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सिफारिश की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करने के माध्यम से यह जानकारी साबित की। मान न कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे परमिंदर सिंह झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ सरकार हर समर्थन प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने खड़ी है। उन्होंने कहा कि नशे की मांग को स्वीकार करते हुए मामले की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने नशे के तस्करों के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए सरकार कोई भी अख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। अमित शाह आज पंजाब के एक दिवसीय दौरे में झोटा के परिवार से भी मिलेंगे।

वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु बिजली बनाने का लक्ष्य, एआई की जरूरतें पूरी करने में भी मिलेगी मदद: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एअरसी। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा हैं कि भारत परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों में राष्ट्रीय विकास के लिए समर्पित हैं, न कि युद्ध के लिए। उन्होंने कहा कि देश बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और स्वच्छ बिजली की उपलब्धता बढ़ाने परमाणु ऊर्जा की भूमिका अहम होगी। उन्होंने कहा कि देश ने 2047 तक परमाणु बिजली उत्पादन क्षमता 1 गीगावाट करने और 2070 तक नेट जीएसजीएसएस हासिल करने का लक्ष्य रखा है। 'द्वैतवर्ग इकोनॉमी फोरम 2026' लागू बातचीत में डॉ. सिंह ने कहा परमाणु ऊर्जा भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा सेंटर की बिजली जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण होगी। एआई और डेटा सेंटर लगातार बड़ी मात्रा में बिजली की जरूरत होती हैं। ऐसे में परमाणु ऊर्जा बिजली को भरोसेमंद और स्वच्छ आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन सकती हैं। डॉ. सिंह ने भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी भाभा की सोच का जिक्र करते हुए कहा कि देश ने शुरुआत से



परमाणु तकनीक का इस्तेमाल शांतिपूर्ण कार्यों और विकास के लिए किया है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकी जरूरतों और विकास की चुनौतियों को देखते हुए भारत अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता का विस्तार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा दूसरे
ऊर्जा स्रोतों की पूरक होगी और देश को
लगातार स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने
में योगदान देगा। यह भारत के
दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों और स्वच्छ
ऊर्जा स्रोतों से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा
करने में भी मदद करेगी। एआई के बढ़ते
इस्तेमाल पर डॉ. सिंह ने कहा कि एआई
को किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं

समझना चाहिए। अंतरिक्ष, जीवन विज्ञान और विज्ञान एवं तकनीक के दूसरे क्षेत्रों में भी इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। उन्होंने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के लिए खुद भी समझदार होना जरूरी है।' उन्होंने जोर दिया कि एआई के फायदे उठाने के साथ सुरक्षित करना भी जरूरी है कि इसका दुरुपयोग न हो। इसके लिए नियमों के साथ व्यक्ति और देश के स्तर पर ईमानदारी और जिम्मेदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इस दिशा में प्रयास किए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि श्री मोदी की सरकार ने कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों में गैर-सरकारी कंपनियों को भागीदारी के रास्ते खोले हैं। इससे निजी क्षेत्र को तकनीकी विकास, प्रयोगों और राष्ट्रीय विकास में योगदान देने के अधिक अवसर मिले हैं। उनका मानना है कि देश के विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भरोसेमंद ऊर्जा व्यवस्था और नई तकनीकों का ज़िम्मेदार से इस्तेमाल महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस ने परिसीमन पर रिजिजू के जवाबी पत्र पर उठाए सवाल, सर्वदलीय बैठक की मांग दोहराई



के पास परिसीमन को लेकर कोई भी नया और ठोस प्रस्ताव है, जिस पर उसने किसी राजनीतिक दल से चर्चा की है। उन्होंने यह भी सवाल-जवाब किया कि सरकार परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाने, अपने नए प्रस्ताव को पारदर्शी तरीके से सभी दलों के सामने रखने और उनकी राय सुनने से क्यों बच रही है।

रमेश ने कहा कि यह विधायक 17 अप्रैल को लोकसभा में पराजित हो गया था और रिजिजू ने अपने पत्र में जिन राजनीतिक दलों

का संघर्ष में चर्चा का जिक्र किया है उनमें से अधिकांश दलों ने भी विधेयक को खिलाफ मतदान किया था। उन्होंने कहा कि खरगे ने सर्वदलीय बैठक की मांग छह बार लिखित रूप में उठाई है। इनमें चार पत्र प्रधानमंत्री मोदी और दो पत्र प्रधानमंत्री रिजजू को लिखे गए थे। उन्होंने तीसरा सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या सरकार लोकसभा में पारजित विधेयक को फिर से लाने और उसे दोबारा पारित कराने की कोशिश करना चाहती है। ऐसा प्रयास भी सफल नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि खरगे ने 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी को लिखकर परिसीमन संबंधी विधेयक के संवैधानिक संशोधन विधेयक पर विचार से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी।

नशे के खिलाफ एकजुट हों पंजाब वासी, केंद्र सरकार देगी साथ: शाह

चंडीगढ़, एजेंसी। गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब वासियों को नशे के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते हुए कहा है कि केंद्र इस लड़ाई में पंजाब वासियों के साथ खड़ी है और 31 दिसंबर, 2029 तक पंजाब से ड्रग तस्करो का सफाया करना ही मोदी सरकार का लक्ष्य है। आज पंजाब के गांव-गांव में नशा पहुंच चुका है, लेकिन सरकार इसे काबू करने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है।

गुहमंत्रों मालावार को पंजाब की गुदरासपुर में विमलजीत सिंह, संगरूर में गुलजार सिंह व वाजिह मजरा में परबिंदर सिंह झोट्टा के परिजनों से मिलने। इन तीनों ने नशे की खिलाफ लड़ाई के कारण अपनी जान गंवाई थी। दिल्ली लौटने से पहले अमित शाह ने लुधियाना में पत्रकारों से आबातचीत में कहा कि वह आज नशा तस्करों के विरुद्ध लड़ते हुए मारे गए लोगों के परिजनों से मिलकर व्यथित हुए हैं। वर्ष 2022 में तीन माह की भीतर नशा खत्म करने का वादा करके सहा में आई आम आदमी पार्टी की सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है। पंजाब सरकार



केवल झूठे बहाने बना रही है। उन्होंने कहा कि मोल्लवार को पंजाब आने के बाद कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं था। इसके बावजूद मेरा नाम लेकर मुख्यमंत्री की तरफ से अपशब्द बोलवाते हैं। अमित शाह ने कहा कि पंजाब बावजूद सरकार उठे जितना चाहे कोसे, लेकिन पंजाब से नशा तो खत्म करे। पंजाब में आज दुःखी तस्करों के विरुद्ध आवाज उठाने वालों को मौत दी जा रही है। तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई

करने वाली पुलिस के कर्मचारी व अधिकारी खुद नशा तस्करी में लिस पाए जा रहे हैं। पंजाब सरकार नशा तस्करी को संरक्षण दे रही है।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने गुजरात बंदरगाह से 20 हजार करोड़ का ड्रग्स पकड़ा है। यह ड्रग्स पंजाब के घरों तक कैसे पहुंच रहा है। इसका जवाब पंजाब सरकार को देना चाहिए। पंजाब सरकार के पुलिस कर्मचारियों के घरों से कैसे नशा बरामद हो रहा है, इसके

बारे में भी मुख्यमंत्री स्थिति स्पष्ट करें। अमित शाह ने कहा कि झोटा केस सीबीआई को सौंप दिया गया है, जिसको जांच बुधवार से शुरू हो जायेगी। उन्होंने पंजाब सरकार से आह्वान किया कि वह विक्रमजीत सिंह व गुलशान सिंह के केस भी सीबीआई को सौंप दे।

केंद्रीय एजेंसी जांच करके आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम करेगी। अमित शाह ने पंजाब सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पिछले एक साल के भीतर देशभर में पिट एनडीपीएस के 929 केस दर्ज करके आरोपियों को पकड़ा गया है, लेकिन चार साल में पंजाब में एक भी केस दर्ज नहीं किया गया। गुडमंत्र ने कहा कि देशभर में नशे के विरुद्ध 48 बैठकें हुई हैं। गुडमंत्रालय के स्तर पर तीन बैठकें पिछले एक साल में हुई हैं, लेकिन पंजाब सरकार ने एक बैठक नहीं की है। पंजाब सरकार की गलत व्यवस्था के चलते सालों तक एफएसएल में चिट्ठी की जांच नहीं हो पाती है, जिसका लाभ लेकर तस्करो को जमानत मिल जाती है।

एक नगर

पलैट किराये पर लेने के नाम पर साइबर ठगी, दो आरोपित गिरफ्तार

फरीदाबाद। फ्लैट किराये पर लेने के नाम पर 90 हजार रुपये को साइबर ठगी करने के मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान गोपाल व श्रवण निवासी पटना बिहार के रूप में हुई है। आरोपियों को मंगलवार को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता अनुसार सेक्टर-46 फरीदाबाद वासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसने अपना फ्लैट किराये पर देने के लिए ओएलवक्स पर पंजीकरण किया था। 24 सितंबर को उसके फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया जिसने अपने आप को एसबीआई बैंक में कार्यरत बताया और कहा की बैंक की पॉलिसी अनुसार वह 6 महीने का किराया 90 हजार रुपये व 42 हजार बिजली का बिल एडवांस में भेज रहा है, जिसके कुछ देर बाद उसने, उसकी पत्नी के खाता में उपरोक्त रकम जमा होने के मैसेज भेज दिए। कुछ देर बाद उसी व्यक्ति का शिकायतकर्ता के पास द्वाारा मैसेज आया जिसने कहा कि वह फ्लैट का किराया हर महीने ही देगा तथा पैसे वापिस भेजने को कहा। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने बिना खाता का बैलेंस चेक किये, कथित व्यक्ति के खाता में तीन ट्रांजेक्शन्स के जरिए कुल 90 हजार रुपये भेज दिए। जिस संबंध में साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुष्टाछात में सामने आया कि मामले में गोपाल खाताधारक है जिसने अपना खाता आगे श्रवण को दिया था। खाता में ठगी के 90,000 रुपये आये थे। श्रवण 12 वीं पास है व पानी सफ़ाई का काम करता है। वहीं गोपाल अनपढ़ व मजदुरी का काम करता है।

मनीष नरवाल ने जीता सिल्वर मेडल, घर में जश्न का माहौल

फरीदाबाद। एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में भारत के स्टाइर पैरा-शूटर मनीष नन्वाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया है और एक बार फिर विदेशी धरती पर भारत का तिरंगा बुलंद किया है। उनकी इस ऐतिहासिक जीत के बाद उनके घर पर जश्न का माहौल है। बेटे की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए पिता ने कहा कि ऐसा होनहार बच्चा हर घर में पैदा होना चाहिए। फाइनल जीतने के तुरंत बाद मेरी मनीष से बात हुई है, वह काफी खुश है। मनीष का यह रिकॉर्ड रहा है, वह वह जिस भी टूर्नामेंट में जाते हैं, वहां से कोई न कोई मेडल जरूर जीतकर लाते हैं। पिता ने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया कि मेरी जीत ने टोक्यो पैरालिंपिक (जापान) में गोल्ड मेडल जीतकर दूसरे देश की धरती पर भारत का राष्ट्रीयन बजवाया था।

इसके बाद पौरस परेालीपक 2024 म भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता। पतिता ने इस सफलता का श्रेय कबीर पौरस और इश्वर के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने यह भी बताया कि मनीष के अलावा घर के दो अन्य बच्चे भी खेलों में इसी तरह मेडल जीत रहे हैं। इस सिल्वर मेडल के पीछे का संघर्ष बताते हुए पतिता ने कहा कि इस चैंपियनशिप से पहले मनीष काफी बीमार पड़ गए थे। एशियाई खेलों से करीब 20 दिन पहले बर्थे चैंपियनशिप थी और उससे 10 दिन पहले मनीष को तबीयत दतनी खराब हो गई थी कि वे प्रैक्टिस तक नहीं कर पाए। उनकी आंखों पर भी इसका असर पड़ा और विजन धुंधला (ब्लर) हो गया था, जिसके कारण उस वक्त उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। बाद में आंखों का इलाज करवाया गया, लेकिन परेशनियां यहीं खत्म नहीं हुईं। पतिता ने बताया कि अभी भी मनीष के कंधे में बहुत ज्यादा सूजन है। दर्द कम करने के लिए उसने नीडलिंग और कपिंग का सहारा लिया है, जिसकी वजह से उसकी गर्दन अभी भी नीली पड़ी हुई है। इतने दै के बावजूद मनीष ने देश के लिए खेलना जारी रखा।

कूड़ा डालने के विरोध में लोगों का धरना जारी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में अरावली के क्षति और पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र में नगर निगम द्वारा कूड़ा डालने और कूड़ा घर बनाने की योजना के विरोध में जन-आक्रोश भड़क उठा है। फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग पर स्थित भाखरी के पास स्थानीय निवासियों का बेमियादी धरना लगातार जारी है। इस विरोध प्रदर्शन में भाखरी गांव, सैनिक कालोनी और अचीवर सोसाइटी के सैकड़ों ग्रामीण व महिला-पुरुष शामिल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों का साफ कहना है कि अरावली जैसे संवेदनशील प्राकृतिक क्षेत्र में कचरा डालने से पूरे इलाके के पर्यावरण को भारी नुकसान होगा और भूजल दूषित होने से लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडराएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि भाखरी के पास अवैध रूप से कचरा डंप किए जाने का विरोध पिछले एक सप्ताह से चल रहा है। इससे पहले वार्ड-19 के पार्श्वद्वज सिंह भी ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठे थे। करीब तीन दिन पहले पुलिस ने पार्श्व दमन कई प्रदर्शनकारियों को धरना स्थल से बलपूर्वक हटा दिया था, लेकिन इसके बावजूद लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। लोग दोबारा एकजुट होकर धरना स्थल पर बैठ गए हैं और अरावली में कूड़ा डालने की योजना को पूरी तरह रद्द करने की मांग पर अड़े हुए हैं। अरावली में कूड़ा घर बनाने के विवाद पर फरीदाबाद नगर निगम और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों के बीच लगातार मंथन चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस संवेदनशील मामले में आगे की रणनीति पर दशहरा के बाद बड़ा फैसला होने की संभावना जताई जा रही है।

फरीदाबाद : विजयादशमी असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक : दत्तात्रेय होसबाले



उद्बोधन में संघ की स्थापना के उद्देश्य, विजयादशमी के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा राष्ट्र और समाज के प्रति स्वयंसेवकों के दायित्वों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म तथा अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। यह पर्व समाज में साहस, अशुशानन, एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने संघ के विभिन्न सेवा एवं सामाजिक प्रकल्पों की चर्चा करते हुए बताया कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में निरंतर कार्य करने के उद्देश्य से अनेक संगठन और संस्थान कार्यरत हैं। इन्हीं वनवासी कल्याण आश्रम, विद्यार्थी

2 1 1

जमीन नहीं बेचने दे रही महिला की पति के चचेरे भाई ने कराई थी हत्या

गुरुग्राम। सोहना खंड के दोहला गांव में 35 वर्षीय महिला की हत्या के सप्तसप्तीखेज मामले में क्राइम ब्रांच सोहना ने मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मृतका के अंतिम संस्कार के 12 घंटे के भीतर ही इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध नवीन शर्मा ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी संदीप (35) निवासी दौहला, गुरुग्राम और उसके दो साथी अनुज (29) निवासी सहायनपुर, यूपी व अवनिश (30) निवासी हरिद्वार, उत्तराखंड शामिल हैं।

पुलिस द्वारा आरोपियों से पृच्छाछल में सामने आया कि मृतका मुख्य आरोपी संदीप के चचेरे भाई की पत्नी थी। संदीप पहले भारतीय सेना में था, लेकिन धोखाधड़ी के मामलों के चतुरे 2023 में उसका कोर्ट मार्शल हो गया था। संदीप अपने चचेरे भाई की जमीन बिकवाना चाहता था और उसने एक लाख रुपये बयाना भी दिया था, लेकिन मृतका ने सौदा सस्ता होने के कारण पति से वह पैसा वापस करवा दिया। इसी रजिशन में संदीप ने हत्या की योजना बनाई। पुलिस को मुताबिक रुडकी में योजना में तैनाती के दौरान संदीप की मुलाकात अनुज से हुई थी। वह उस

समय तक ठेके पर लोचरी का काम करता था। अनुज के जरिए ही उसकी मुलाकात अवनशि से हुई। फिलहाल अनुज बिजली विभाग में प्राइवेट नौकरी करता है और अवनशि क्लिंटिक में डिलीवरी बॉय है। संदीप ने दोनों को हत्या में शामिल किया। 31 अगस्त को तीनों ने महिला को री रेकी की। 16 अक्टूबर को सुबह तीनों रुडकी से दौहला आए। पहली बार घर में महिला को फोन पर बात करते देख लौट गए और फिर सुबह 10:05 बजे दोबारा आए। अवनशि बाहर निगमनी करने लगा, जबकि संदीप और अनुज घर में घुस गए। बैग में लाई गैस से महिला का मुंह बंद किया, रस्सी से हाथ बांधे और गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी संदीप को 19 अक्टूबर को सोहना से और उसके दो साथियों को 20 अक्टूबर को रुडकी से गिरफ्तार किया। संदीप को कोर्ट में पेश कर चांद दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। बता दें कि 16 अक्टूबर को पुलिस को दौहला गांव में महिला की हत्या की सूचना मिली थी। मृतका के पति ने शिकायत में बताया कि वह सुबह 7:45 बजे बच्चों को गढ़ी बाजीदपुर स्कूल छोड़ने गया था, पत्नी घर पर अकेली थी। दोपहर 2:30 बजे लौटने पर उसने पत्नी को घर के अंदर मृत पाया।

नूंह जिले में धूमधाम से मनाया गया विजय दशमी पर्व, धू-धू कर जला रावण का पुतला



सुचारु बनाए रखने के लिए भी संसदकर्मियों की तैनाती की गई, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी में न करना पड़े। नृंह पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रमन न ने कहा कि विजय दशमी पर्व के अवसर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हिंदी पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अर्पित रावण का वध किए जाने की स्मृति मनाया जाता है। भगवान श्रीराम ने अपने सैन्य से रावण के दस सिरों का अंत कर बुआई अर्च्छा की विजय स्थापित की थी। इस अवसर पर जयभारत रामलीला क्लब तावड़

से जुड़े राजीव गर्ग, जय हनुमान रामलीला क्लब उजीना से इंद्रपाल, श्री विजय सदासुख रामलीला कमेटी नूंह से नरेंद्र पटेल, सरदार देवेंद्र मलिक, आदर्श रामलीला कमेटी से जेदेंद्र सैनी, राधेश्याम शर्मा और जेपी शर्मा सहित श्री भगवान सदासुख रामलीला कमेटी, पुरानी अनाज मंडी के प्रधान विष्णु सिंगला, उपप्रधान संजय स्कसेना तथा उस्ताद मास्टर देवीलाल ने पर्व की महत्ता बताते हुए लोगों से बुराइयों को त्यागने और समाज में सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया।

किसानों की लाश पर बिछेगी बिजली की लाइन, निजीकरण मंजूर नहीं: रतन मान

गुरुग्राम, एर्जेंसी। भारतीय किसान यूनियन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने कहा कि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने इलेक्ट्रिक पावर प्राइवेट लिमिटेड को गुरुग्राम और नूंह जिलों में 25 साल तक बिजली बंटने का अनुमानानंतर लाइसेंस दे दिया है। 'कागजों में कहा जा रहा है कि जनता को विकल्प मिलेगा। जमीन पर सचचाई यह है कि 8.3 लाख परिवारों की किस्ताना एक प्राइवेट कंपनी के हाथ में सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली निजीकरण का यह फैसला वापस ले, वरना बड़ा आंदोलन होगा। रतन मान ने मंगलवार को यहाँ जारी बयान

मैं इस फैसले को आजाद भारत के बाद बिजली क्षेत्र का सबसे बड़ा विस्वासाघात बताया है। सरकार कह रही है 4717 करोड़ का निवेश आएगा। उन्होंने सवाल किया कि ये निवेश क्या कंपनी अपने घर से लाई है ? ये पैसा हमारे खून-पसीन से वसूला जाएगा। आज पोल गांधी, कल तार खींचेंगे और परसों हर घर में मड़ेगा, स्मार्ट मीटर लगाकर लूट शुरू कर देंगे। रतन मान ने कहा कि किसान को ट्युबवेल पर

सिन्धुडी मिलती है। नूंह जैसे पिछड़े जिले में गरीब आदमी को दो रुपये यूनिट बिजली मिलती है। आधी रात को भी लाइसेंस खेत में जाता है। प्राइवेट कंपनी क्या करेगी। उसका तो एक ही धर्म है—मुनाफा। नूंह का किसान पहले हो पानी के लिए तरस रहा है। अब उसे बिजली के लिए भी तरसाया जाएगा। रत्न मान ने कहा कि गुरुग्राम के बड़े-बड़े बिजनेसमैन, मानसरे के उद्योगपति, सोहाना और पटौदी के छोटे दुकानदार बहुत खुश रहे हैं रूँह कि 24 घंटे बिजली मिलेगी। उनको भी पता कि 24 घंटे बिजली के नाम पर 24 घंटे लूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज सरकारी कंपनियों इंडस्ट्री को 7.50 रुपये में बिजली देती है। पीक लाइव में भी रेट कंट्रोल में रहता है। कल यही प्रोडक्ट कंपनी कहेगी—हमारा खर्चा ज्यादा है, हमारा ग्रीन पावर है, 15 रुपये यूनिट दो। फैक्ट्री वाला कहाँ जाएगा। दुकानदार कहाँ जाएगा उसको लागत दोगुनी हो जाएगी। प्रोडक्ट महंगा होगा, व्यापार खत्म होगा। ये सिर्फ किसान की लड़ाई नहीं है, ये गुरुग्राम के हर बिजनेसमैन की लड़ाई है।

कंपनी का सीएमडी बन 50 लाख की ढगी, छह आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। व्हॉट्सएप पर कंपनी के सीएमडी की डीपी लगाकर 50 लाख की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मुंबई निवासी अजय, अदवान खान तथा गुजरात निवासी अविनाश, नासिर, जयारवन व रिजवान के रूप में हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्परात दिखते हुए ठगी के 29 लाख रुपये खाते में फ्रीज करवा दिये। सभी आरोपियों को मौलवाज को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस निवेदन के अनुसार सेक्टर-28 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि 17 सितंबर को उसके व्हॉट्सएप पर एक नंबर से सैसज आया। व्हॉट्सएप नंबर पर उसकी कंपी के सीएमडी की फोटो लगी हुई थी। जिस नंबर से शिकायतकर्ता को सैसज के द्वारा एक खाता नंबर भेजा गया था और उस खाते में एक करोड़ रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा गया था। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने कंपनी के खाते से बताए गए खाते में 50 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जिस शिकायत पर साइबर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच में

सामने आया कि आरोपी अजय ने एक फर्म अजयजय
मैनपावर बना रखी है। जिसने फर्म का खाता नासिर
तथा नासिर ने यह खाता आगे अविनाश व अविनाशराश
ने आगे जयारवन को दिया था। फिर जयारवन ने यह
खाता टेलीग्राम के जरिए आगे उगो को दिया था।
अद्वान ने फर्म का करंट खाता खुलवाया था। वहीं
रिजवान के पास खाते का एक्सेस था। जिसे वह उगी

एफआईआर के विरोध में बागपत के चिकित्सकों और फार्मासिस्टों ने किया दो घंटे कार्य बहिष्कार

सबाले

भारती, सेवा भारती तथा और शैक्षणिक संस्थाओं में लेख किया। उन्होंने संघ-द्विदिक् एवं संगठनात्मक को भी रेखांकित किया। शोध, सेवा प्रान्त कार्यवाह; भारतीय संपर्क टोली प्रसाद, अध्दक्ष विद्वा अप्स से उपस्थित रहे। सह, सह विभागा कार्यवाह में सकारात्मक परिवर्तन आए गए पंच परिवर्तन के प्रकाश डाला। इनमें प्रकाश, कुटुंब प्रबोधन, स्व, स्व का बोध तथा

बागपत। उत्तर प्रदेश बागपत में जिला असीएमएस, चिकित्सक फार्मासिस्ट के सि प्राथमिकी को निरस्त व को लेकर जिलेवार के और फार्मासिस्टों ने मंग घंटे का कार्य बहिष्कार जताया। चेतावनी दी एकआइआर वापस नह पूर्ण कार्य बहिष्कार जाएगा। बागपत में चिकित्सकों और फार्मासिस्टों जिला अस्पताल, सभी स्वास्थ्य केंद्रों (सी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर काली पट्टी बां प्रदर्शन किया गया।

क पालन जैस विषय काय बाहिष्कार
कहा कि इन विषयों को मरीजों को उपचार के
पनाकर समाज और राष्ट्र का सामना करना पड़ा
न बनाया जा सकता है। और फार्मासिस्टों की



आधारित कलाकृतियां अंडरपास की सुंदरता बढ़ाएंगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा अंडरपास का मुख्य निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द

इसे आम लोगों के लिए खोला जा सके। अंडरपास के शुरू होने से गौड़ सिटी और आसपास की सोसायटियों के दो लाख से अधिक लोगों को रोज लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी।

बिजली के निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने तीन दिवसीय हड़ताल का किया ऐलान

मैं मूली लेने गई तीन
हैंडेशन लाइन की चपेट में
तों में बिजली का तार
हुआ था। उसकी चपेट में
हिलाओं की मौके पर ही
जबकि एक युवती गंभीर
त हो गई। घटना के बाद
फरा-तफरी मच गई।
हैचान 22 वर्षीय स्त्री
सत्यवती के रूप में
, हादसे में 18 वर्षीय
हुई है। बताया गया कि
ए सुबह करीब साढ़े छह
मूली लेने गई थीं। तारी
हैंडेशन लाइन का इसी
झा था। महिलाएं उसकी
गई और करंट लगने से
घटना में मौके पर ही दम
पड़ गया। उनकी जानकार
गामीनी मौके पर पहुंचे।
ला देवश्री को उपचार के
ला पहुंचाया गया। मौके
पों पहुंची हुई है। तार कब
रुता हुआ था इसका पता
नहीं। हरियाणा बिजली
आयोग (एनईआरसी)
और नूंह जिलों में
‘इलेन पावर’ को 25
समानांतर बिजली वि
देने के फैसले के विरो
बिजली कर्मचारी एर-
संयुक्त मोर्चा ने आ-
का ऐलान कर दिया
आह्वान पर मंगलवार
बिजली कर्मचारियों
आक्रोश प्रदर्शन किया
फैसले के खिलाफ प्र
की। प्रदर्शन की अध्ये
सर्कल सचिव राजेश श
जाखड़ ने की, जबकि
राज्य सचिव समूह ख
प्रदर्शन को संबोधित
उपप्रधान जितेंद्र ते
उपमहासचिव विजय हु
सरकार की सह पर
निजीकरण का र
जनविरोधी और क
उन्होंने आरोप लगाया
मुनाफे वाले और अधि

निायमक
रा गुध्याम
की कंपनी
में के लिए
लाइसेंस
हरियाणा
रजिस्ट्रार
की लड़ाई
मोर्चा के
ने नूह में
जोरदार
सरकार के
नारेबाजी
का पतलव
नौर सुबोध
संचालन
ने किया।
हुए राज्य
और
ने कहा कि
नलाया गया
फैसला
वेरोही है।
स सरकार
गजब देने

वाले क्षेत्रों को निजी हाथों में सौंपकर
सरकारी बिजली निगम दक्षिण
हरियाणा बिजली वितरण निगम
(डीएचबीवीएन) को कर्मजोर करने
की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा
कि बिजली वितरण व्यवस्था का
निजीकरण होने से सरकारी औसत
निगमों, कर्मचारियों, किसानों और
आम उपभोक्ताओं के हित प्रभावित
होंगे। संयुक्त मोर्चा इस फैसले का
पुरजोर विरोध करेगा और बिजली
कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के
लिए आंदोलन को तेज किया जाएगा।
प्रदर्शनों में नूह के साथ पतलव जिले
के सैकड़ों बिजली कर्मचारियों ने भी
बढ़-चढ़कर भाग लिया। कर्मचारियों
ने नूह स्थित बिजली दप्तर से पैलव
मार्च शुरू किया और होडल बाईपास
पर पहुंचकर बिजली मंत्री मोहन
लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह
सेनी और एचईआरसी के चेयरमैन
मुकेश गर्ग के पुतले फूँके
कर्मचारियों ने निजीकरण के फैसले
को वापस लेने की मांग करते हुए
सरकार के खिलाफ रोष जताया।



सामने आया कि आरोपी अजय ने एक फर्म अजयजय
मैनपावर बना रखी है। जिसने फर्म का खाता नासिर
तथा नासिर ने यह खाता आगे अविनाश व अविनाशराश
ने आगे जयारवन को दिया था। फिर जयारवन ने यह
खाता टेलीग्राम के जरिए आगे उगो को दिया था।
अद्वान ने फर्म का करंट खाता खुलवाया था। वहीं
रिजवान के पास खाते का एक्सेस था। जिसे वह उगी

भारत के फैसलों पर चीन का दोहरा रवैया

गौतम बंबावाले

लद्दाख में 28 जगहों की पहचान करके और उन्हें आधिकारिक नक्शे पर चिह्नित करते हुए उनके नाम तय करने के भारत के कदम पर चीन ने त्वरित और कुछ हद तक चिढ़ भरी प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गत 13 अक्टूबर को कहा, ‘चीन भारत द्वारा प्रचारित तथाकथित तय नामों का कड़ा विरोध करता है’ और कहा कि ‘यह कदम गैर-कानूनी और अमान्य है’। भारत के जवाबी कदम उठाने से बहुत पहले ही चीन ने खुद ऐसा करना शुरू कर दिया था, लेकिन उसने इस बात को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया है कि यह उसकी अपनी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है। यह खेल का एक जाना-पहचाना तरीका है। चीन जो करे, वह सही; जब वही काम कोई दूसरा करे, तो गलत!

ऐसा लगता है कि भारत का यह कदम चीन को चुभ गया है—तभी तो उसने तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अपनी ताकत के घर्मंड में चीन इस साधारण-से तथ्य को नज़रअंदाज़ कर रहा है कि यह खेल दोनों तरफ से खेला जा सकता है। भारत तो बस उसी काम को आगे बढ़ा रहा है, जिसकी शुरुआत पहले चीन ने की थी। चीन के कर्ता-धर्ताओं को आने वाले महीनों और सालों में भारत की ओर से ऐसे और भी ‘तय नामों’—यह वह शब्द है, जिसका इस्तेमाल खुद चीनी करते हैं—को उम्मीद करनी चाहिए। कृपया यह न भूलें कि कुछ महीने पहले अरुणाचल प्रदेश में भी ऐसा ही किया गया था। अगस्त में भारत ने अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम तय किए थे। गृह मंत्रालय ने घोषणा की थी कि यह काम राज्य सरकार के साथ सलाह-मशविरा करके किया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के कुछ और पहलू भी हैं, जिन पर गहराई से विश्लेषण करने की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि ‘चीन ने कभी भी भारत द्वारा एकतरफा एवं गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए तथाकथित ‘केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख’ को मान्यता नहीं दी है’। इस टिप्पणी से तुरंत ये सवाल उठते हैं : क्या भारत के प्रशासनिक ढांचे में किसी भी बदलाव में चीन के दखल की कोई गुंजाइश है? क्या यह पूरी तरह से भारत का अपना फैसला नहीं है? क्या चीन ने तब आपत्ति जताई थी, जब 2014 में पुराने आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना राज्य बना था? साफ़ तौर पर नहीं। तो फिर चीन को ऐसा क्यों लगता है कि 2019 में जब भारत ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया, तो उसमें उसकी



भी कोई सहमति होनी चाहिए? अनुच्छेद 370 को हटाने पर चीन कैसे आपत्ति जता सकता है, जबकि यह भारत का एक घरेलू प्रशासनिक फैसला था? जब अनुच्छेद 370 हटया गया, तो दिल्ली ने चीन को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि यह भारत का आंतरिक मामला है और इसका भारत-चीन सीमा विवाद के सवालों पर कोई प्रभाव नहीं है। सीमा से जुड़े विवादों पर दोनों देशों के बीच संवाद और वार्ता जारी रखने की जरूरत है। फिर भी, शायद पाकिस्तान के उकसावे पर चीन ने इन दो केंद्र शासित प्रदेशों के गठन पर आपत्ति जताई थी।

चीन ने कभी भारत को यह नहीं बताया कि वह अनुच्छेद 370 के तहत मिली विशेष व्यवस्था को खत्म करने का विरोध क्यों कर रहा है। शायद अब समय आ गया है कि चीन इस मामले पर खुलकर बात करे और भारत को बताए कि उसे क्या आपत्तियां हैं। हो सकता है

कि चीन ऐसा न करना चाहे, क्योंकि इससे भारत के घरेलू मामले पर उसका रुख सबके सामने आ जाएगा। बेशक, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जब 1987 में भारत ने अरुणाचल प्रदेश को केंद्र शासित प्रदेश से राज्य का दर्जा दिया था, तब भी चीन ने उस कदम पर आपत्ति जताई थी। आज भी, जब कभी केंद्र से गए भारतीय नेता उस राज्य का दौरा करते हैं, तो चीन जोरदार आपत्ति जताता है। साफ़ है कि ये आपत्तियां इसलिए हैं, क्योंकि चीन पूरे राज्य पर अपना दावा करता है, जबकि हकीकत यह है कि लगभग पूरे इलाके पर भारत का वास्तविक नियंत्रण है—ज्यादातर जगहों पर तो मैकमोहन रेखा तक। क्या लद्दाख के मामले में भी यही सिद्धांत लागू किया जा रहा है? क्या चीन का तर्क यह है कि जब तक सीमा तय और चिह्नित नहीं हो जाती, तब तक भारत अपने ही इलाके में जो कुछ भी करेगा, उस पर—भले ही चीन का कोई विवाद न हो—

चीन को वीटो (रोकने) का अधिकार है? यह एक बहुत ही अजीब तर्क है। यहां तक कि चीन को भी यह समझ में आना चाहिए कि यह कितना खोखला है। यह हमें चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के तीसरे पहलू पर लाता है, जिसमें कहा गया है ‘...इससे यह तथ्य नहीं बदल जाता कि भारत-चीन सीमा का पश्चिमी हिस्सा चीन का है।’ असल बिंदु यही है। भारत उस इलाके पर सवाल उठाता है, जिसे चीन अपना क्षेत्र मानता है। वहीं दूसरी ओर, चीन को उस इलाके पर एतराज़ है, जिसे भारत अपना कहता है। इसीलिए वहां सीमा का सवाल या सीमा विवाद है। अब ऐसा लगता है कि चीन एकतरफा तौर पर यह कह रहा है कि जिस क्षेत्र को दोनों देश मोटे तौर पर सीमा का पश्चिमी हिस्सा परिभाषित करते हैं, वह चीन का इलाका है। हो सकता है कि यह इस मुद्दे पर अपना पक्ष दोहराने का एक तरीका हो, लेकिन यह काफी बचकाना है। इन

मुद्दों पर आगे बढ़ने का तरीका यह है कि आमने-सामने बैठकर खुलकर बातचीत की जाए। हालांकि, 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन की सैन्य गतिविधियों के बाद से ऐसी वार्ता बहुत मुश्किल, लंबी और समय लेने वाली हो गई है। चीन के लिए असली महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ना तभी संभव होगा, जब वह आरोप-प्रत्यारोप, इशारों-इशारों में बात करने और कूटनीतिक भाषा का सहारा लेने के बजाय व्यावहारिक, यथार्थवादी और स्पष्ट रुख अपनाकर ऐसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा करे। अपनी भुजाएं फड़काने और अपनी विशाल राष्ट्रीय शक्ति का प्रदर्शन करने के बजाय उसे व्यावहारिक और समाधान खोजने वाला रुख अपनाना चाहिए। हो सकता है कि इससे भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का समाधान न निकले, लेकिन इससे दोनों पड़ोसियों के बीच अधिक स्पष्ट, सीधे और सरल संबंधों की नींव पड़ सकती है।

विचार

त्यंग्य: वोट चोरी का रोना रोते-रोते वैकेशन पर निकले कैप्टन

विनय के पाठक

देश की राजनीति में इन दिनों बड़ा विचित्र नजारा देखने को मिल रहा है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ ऐसा मोर्चा खोल रखा है, मानो देश में विपक्ष की हार-जीत का पूरा रिमोट कंट्रोल एक ही आदमी के हाथ में हो। विपक्ष का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। लिहाजा, उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त की कुर्सी से हटा कर किसी दूसरे सज्जन को बैठा दिया जाए तो लोकतंत्र की गाड़ी अचानक विपक्ष की दिशा में दौड़ने लगेगी और सत्ता की मंजिल अपने आप करीब आ जाएगी। यानी चुनाव हारने का कारण जनता की नाराजगी, संगठन की कमजोरी, नेतृत्व की सीमाएं या अपनी राजनीतिक गलतियां नहीं बल्कि ज्ञानेश कुमार हैं! वाह रे लोकतंत्र! जनता वोट देती है, पार्टियां चुनाव लड़ती हैं लेकिन हार का ठीकरा फोड़ने के लिए एक अदद सिर हमेशा तैयार रहना चाहिए। आखिर आत्ममंथन भी कोई चीज होती है मगर उससे ज्यादा सुविधाजनक है कि अपनी कमियों की जगह किसी दूसरे की कुर्सी को दोष दे दिया जाए। टीवी पत्रकारिता में दो एग्नेविएशंस की काफी चर्चा होती है। पहला है सीसी और दूसरा टीटी। सीसी मतलब क्रेडिट चोरी। प्लान किसी ने किया हो, मेहनत किसी ने किया हो लेकिन जब सबकुछ ठीक हो जाए तो क्रेडिट लेने के लिए खुद आगे आ जाओ। इसके सीसी कहते हैं। इसी तरह अपनी प्लानिंग से हुआ काम अगर बिगड़ जाए तो तुरंत उसका ठीकरा दूसरे के सिर फोड़ दो-इसको टीटी यानी टोपी ट्रांसफर कहते हैं। तो भैया, आजकल विपक्ष की राजनीति में भी टीटी का खेल जम कर हो रहा है। विपक्ष चुनाव अपनी गलत नीतियों, योजनाओं और सुस्त प्रचार के कारण हारता है लेकिन इस हार का ठीकरा पहले ईवीएम पर फूटना था लेकिन अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर फूटने लगा है। राहुल गांधी कह रहे हैं कि वोट चोरी हो रही है, ममता बनर्जी और इसी तरह के तमाम हारने वाले कह रहे हैं कि वोट चोरी हो रही है। इसी वोट चोरी के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी कभी धरने पर बैठते हैं, कभी आकाशवाणी भवन में घुसने की कोशिश करते हैं, कभी सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर अपनी आवाज बुलंद करने पहुंचते हैं तो कभी युवाओं के बीच जाकर छात्रों की गूंज जैसे कार्यक्रमों के जरिए अपनी बात रखते हैं।

राजनीति में सक्रियता जरूरी है और सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार भी। लेकिन सवाल यह है कि इस सारी कवायद का हासिल क्या है? क्या जनता के मन में उठ रहे सवालों का जवाब मिल रहा है या फिर राजनीति का पूरा थिएटर ही सजाया जा रहा है, जिसमें मुद्दा कम और मंचन ज्यादा दिखाई देता है? इसी बीच राजनीति के नाले से एक नई आवाज सुनाई देने लगी है। राजनीतिक तिलचट्टों की पार्टी कॉकरोच जनता पार्टी भी मैदान में कूद पड़ी है। पार्टी के नेताओं को लगा कि जब बड़े-बड़े राजनीतिक दल वोट चोरी के मुद्दे पर अपनी-अपनी दुकान सजा रहे हैं तो वे भी पीछे क्यों रहें? आखिर तिलचट्टे भी लोकतंत्र में अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। उनका मानना है कि राजनीति की गंदगी में अगर बड़े खिलाड़ी अपना भविष्य तलाश सकते हैं, तो उनके लिए भी अवसरों की कमी नहीं होनी चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी के आने से आंदोलन में एक नया जैविक आयाम जुड़ गया है। अब तक बहस चुनाव आयोग, वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त के इर्द-गिर्द घूम रही थी; अब इसमें राजनीतिक तिलचट्टों की भागीदारी भी सुनिश्चित हो गई है। जनता सोच रही है कि लोकतंत्र की इस प्रयोगशाला में अगला प्रयोग क्या होगा- चुनाव सुधार या राजनीतिक कीट-पतंगों का पुनर्वास? जिस आंदोलन को अभी और जोर पकड़ना था, जिस राजनीतिक लड़ाई में कॉकरोच जनता पार्टी की भूमिका का विस्तार होना था और जिस मुद्दे पर विपक्ष को सरकार तथा चुनाव आयोग को लगातार घेरना था, उसी बीच खबर आती है कि राहुल गांधी बोरिया-बिस्तर बांध कर विदेश रवाना हो गए हैं। आंदोलन अपने स्थान पर, आरोप अपने स्थान पर और कॉकरोच जनता पार्टी अपनी संभावनाओं के साथ अपने स्थान पर लेकिन सेनापति माने कि कांग्रेस के युवराज ने फिलहाल अपनी विदेश की छुट्टी को प्राथमिकता दे दी! अब विरोधियों को तंज कसने का मौका मिल गया है। वे पूछ सकते हैं कि जब लोकतंत्र कथित रूप से खतरे में हो, वोट चोरी का मुद्दा गरम हो और राजनीतिक तिलचट्टे भी समर्थन देने आ पहुंचे हों, तब नेतृत्व को मैदान में रहना चाहिए या विदेश में छुट्टी मनानी चाहिए? हालांकि राहुल गांधी को भी दूसरे नागरिकों की तरह निजी जीवन जीने और आराम करने का अधिकार है। मगर राजनीति में समय का भी अपना व्यंग्य होता है। छुट्टी गलत नहीं होती लेकिन उसकी टाइमिंग कभी-कभी विरोधियों के लिए मुश्त का चुनावी भाषण बन जाती है। अब कॉकरोच जनता पार्टी के सामने भी चुनौती है। वह आंदोलन को आगे बढ़ाएगी या अपने नेता के लौटने तक राजनीतिक अंधेरे में सीलन भरी दीवारों से चिपकी रहेगी? कहीं ऐसा न हो कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति में आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी तिलचट्टों पर आ जाए और वे ही वोट चोरी के मुद्दे को रेंगते-रेंगते अगले चुनाव तक ले जाएं!

नेपाल की घटना में चेतावनी संदेश पहाड़ टूटने के लगभग 38 मिनट बाद भेजे गए। तब तक विनाशकारी प्रवाह कई प्रभावित बस्तियों से गुजर चुका था। यह चेतावनी भारत, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फरवरी 2021 की ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा में भी ऊंचाई पर चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटने से विनाशकारी बाढ़ उत्पन्न हुई थी। इस घटना ने तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना सहित नदी घाटी के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। केदारनाथ की 2013 की त्रासदी और हिमालय की अन्य घटनाएं बताती हैं कि पर्वतीय आपदाओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, लेकिन निचले इलाकों में बसे समुदायों के लिए उनके परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं। उत्तराखंड में वसुंधरा ताल जैसी संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी की पहल उपयोगी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को केवल झीलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ऊंचे पर्वतीय ढलानों, हिमनदों, अस्थिर चट्टानों और नदी घाटियों का संयुक्त जोखिम मानचित्र तैयार करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच नियमित वैज्ञानिक समन्वय आवश्यक है। उपग्रहों से संवेदनशील ढलानों की पहचान करने के बाद वहां भू-संचलन मापक उपकरण, स्वचालित मौसम केंद्र, भूकंपीय संवेदक और नदी प्रवाह निगरानी प्रणालियां स्थापित की जा सकती हैं।

हिमालय को बचाने के लिए वैज्ञानिक निगरानी जरूरी

जयसिंह रावत

नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खुलासा किया है, जो समूचे हिमालय के लिए खतरे की घंटी है। जिस पहाड़ के टूटने से नेपाल और चीन में हजारों लोग मारे गए अथवा लापता हो गए, वह आपदा से कई सप्ताह पहले ही खिसकने लगा था। यूरोपीय सेंटिनल-1 उपग्रह ने 48 दिनों के दौरान उसकी सतह में 40 सेंटीमीटर तक का संचलन दर्ज किया था। इसका अर्थ है कि पहाड़ के भीतर बढ़ती अस्थिरता के संकेत अंतरिक्ष से मिल रहे थे, लेकिन उन्हें समय रहते प्रभावी चेतावनी में नहीं बदला जा सका। यह खुलासा इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की 13 अक्टूबर को जारी वैज्ञानिक रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त की सुबह लगभग 8:37 बजे नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 7,227 मीटर ऊंचे लांगटांग लिर्सु पर्वत के उत्तरी हिस्से से लगभग 13.2 करोड़ घनमीटर चट्टान और हिमनद की बर्फ टूटकर नीचे आ गिरी। करीब 1,200 मीटर नीचे ल्हेंदे खोला घाटी में गिरते ही यह विशाल द्रव्यमान चट्टानों, बर्फ, मिट्टी और पानी के प्रचंड प्रवाह में बदल गया। विनाशकारी मलबा-बाढ़ नेपाल-चीन सीमा से गुजरती हुई भूटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में फैल गई। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि दूरस्थ भूकंपीय उपकरणों ने भी कंपन दर्ज किया। इस वैज्ञानिक अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हैं। सेंटिनल-1 की रडार तकनीक ने 7 जुलाई से 24 अगस्त के बीच पर्वतीय ढलान में क्रमिक परिवर्तन दर्ज किया। इस तकनीक को इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक अपर्चर रडार कहा जाता है। इसके माध्यम से बादलों और अंधेरे की परिस्थितियों में भी धरातल की सूक्ष्म हलचलों का आकलन संभव है। हालांकि, 40 सेंटीमीटर का आंकड़ा उपग्रह की दृष्टिरेखा की दिशा में मापा गया संचलन है, न कि पहाड़ के वास्तविक विस्थापन का संपूर्ण माप। फिर भी, यह बढ़ती अस्थिरता का एक महत्वपूर्ण संकेत था। वैज्ञानिकों ने एक अन्य धारणा में भी संशोधन किया है। प्रारंभ में इस बाढ़ को हिमनद झील के फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन अध्ययन के अनुसार, इसका प्रमुख कारण आधारशिला का व्यापक रूप से टूटना था। चट्टानें अपने ऊपर स्थित हिमनद की बर्फ को साथ लेकर नीचे गिरीं और इससे विनाशकारी मलबा प्रवाह उत्पन्न हुआ। वैज्ञानिकों ने कई संभावित कारणों की पहचान की है। इनमें भूगर्भीय दरारें, वर्ष 2015 के नेपाल भूकंप से उत्पन्न क्षति, स्थायी रूप से जमी भूमि का पिघलना, हिमनदों में परिवर्तन और बर्फ के भार में उतार-चढ़ाव शामिल हैं।

बढ़ता तापमान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमी बर्फ और चट्टानों के बीच प्राकृतिक बंधन को कमजोर कर सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने अभी किसी एक कारण को निर्णायक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया है। इस आपदा ने मौजूदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों की सीमाएं भी उजागर की हैं। अधिकांश व्यवस्थाएं वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ पर केंद्रित हैं। लेकिन जब हजारों मीटर की ऊंचाई से करोड़ों घनमीटर चट्टान और बर्फ अचानक टूटकर गिरती है, तब नीचे स्थापित जलस्तर मापक उपकरण पर्याप्त समय पहले चेतावनी देने में सक्षम नहीं होते। नेपाल की घटना में चेतावनी संदेश पहाड़ टूटने के लगभग 38 मिनट बाद भेजे गए। तब तक विनाशकारी प्रवाह कई प्रभावित बस्तियों से गुजर चुका था। यह चेतावनी भारत, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फरवरी 2021 की ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा में भी ऊंचाई पर चट्टान और



बर्फ का विशाल हिस्सा टूटने से विनाशकारी बाढ़ उत्पन्न हुई थी। इस घटना ने तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना सहित नदी घाटी के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। केदारनाथ की 2013 की त्रासदी और हिमालय की अन्य घटनाएं बताती हैं कि पर्वतीय आपदाओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, लेकिन निचले इलाकों में बसे समुदायों के लिए उनके परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं। उत्तराखंड में वसुंधरा ताल जैसी संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी की पहल उपयोगी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को केवल झीलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ऊंचे पर्वतीय ढलानों, हिमनदों, अस्थिर चट्टानों और नदी घाटियों का संयुक्त जोखिम मानचित्र तैयार करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और आपदा

प्रबंधन एजेंसियों के बीच नियमित वैज्ञानिक समन्वय आवश्यक है। उपग्रहों से संवेदनशील ढलानों की पहचान करने के बाद वहां भू-संचलन मापक उपकरण, स्वचालित मौसम केंद्र, भूकंपीय संवेदक और नदी प्रवाह निगरानी प्रणालियां स्थापित की जा सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि वैज्ञानिक जानकारी केवल शोध संस्थानों तक सीमित न रहे। इसे जोखिम के आधार पर वर्गीकृत करके प्रशासन, जलविद्युत परियोजनाओं, सीमावर्ती सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए। चेतावनी के साथ-साथ सुरक्षित स्थानों, निकासी मार्गों और नियमित अभ्यास की तैयारी भी जरूरी है। नेपाल, चीन और भारत के पर्वतीय जलामग क्षेत्र परस्पर जुड़े हुए हैं। इसलिए उपग्रह आंकड़ों, मौसम संबंधी सूचनाओं और संभावित खतरों की समयबद्ध साझेदारी अनिवार्य है।

एक नजर

दो दिन से लापता युवक का शव तरौन गांव के आहर से बरामद, हत्या की आशंका



नवादा,एजेंसी। नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के तरौन गांव स्थित आहर के पानी से मंगलवार को पुलिस ने ग्रामीणों की सूचना पर संदिग्ध अवस्था में एक युवक का शव बरामद किया। मृतक रजौली थाना क्षेत्र के लोधवे कांटी गांव निवासी ललेश्वर पासवान के करीब 40 वर्षीय पुत्र अमर पासवान है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अमर पासवान कौआकोल के दुर्गामंडा मुहल्ले में अपने रिश्तेदार के यहां किराये पर रहकर मजदूरी करता था। बताया जाता है कि वह पिछले दो दिनों से रविवार की शाम से लापता था।मंगलवार को तरौन गांव स्थित आहर में उसका शव मिलने की सूचना पर इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और तीन पुत्रियों को छोड़ गया है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। हालांकि घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।फिलहाल पुलिस ने शव को बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने एवं जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मृतक की पत्नी ने इस हत्या कर देते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की।

एसएसबी प्रशिक्षण केंद्र में श्रद्धा के साथ हुई नवरात्रि पूजा-अर्चना और हवन



सुपौल। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सोमवार को रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सुपौल परिसर में उप महानिरीक्षक के मार्गदर्शन में नवरात्रि पूजन एवं हवन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में केंद्र के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भाग लेकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और हवन कर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं जवानों ने मां दुर्गा से सभी कार्मिकों और उनके परिवारों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना और हवन के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धा और आस्था के बीच आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य कार्मिकों के बीच धार्मिक आस्था, सकारात्मक ऊर्जा, आपसी सद्भाव और एकता की भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम का समापन मां दुर्गा के जयकारों तथा सभी के मंगलमय जीवन की कामना के साथ हुआ।

कटिहार में दुर्गा पूजा मेला देखने गईं 5 नाबालिग लड़कियां लापता, अनहोनी की आशंका

कटिहार। मनसाही थाना क्षेत्र से दुर्गा पूजा मेला घूमने निकलीं पांच नाबालिग लड़कियां संदिग्ध परिस्थितियों में एक साथ लापता हो गईं। काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चियों का कोई सुराग नहीं मिला, तो किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए परिजनों ने मनसाही थाने में लिखित आवेदन देकर सुनिश्चित बरामदगी की गुहार लगाई है। थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार, मनसाही वार्ड संख्या 9 निवासी मधु देवी ने बताया कि 19 अक्टूबर की शाम करीब 6:00 बजे उनकी 13 वर्षीय पुत्री सुप्रिया कुमारी अपनी चार अन्य सहेलियों के साथ मनसाही और मरंगी दुर्गा पूजा मेला देखने के लिए घर से निकली थी। देर रात तक जब कोई भी बच्ची वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने मेला परिसर सहित सभी संभावित स्थानों व रिश्तेदारों के यहां खोजबीन शुरू की, लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चल सका। लापता बच्चियों में सुप्रिया कुमारी (13 वर्ष, पिता नीरज ठाकुर), रेशमी कुमारी (15 वर्ष, पिता सुरेश पासवान), सोहानी कुमारी (14 वर्ष, पिता अंगद पासवान) तथा दो जुड़वां बहनें शालु कुमारी (12 वर्ष) और सरगम कुमारी (12 वर्ष, दोनों के पिता जयशंकर ठाकुर) शामिल हैं। सभी बच्चियां मनसाही थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 8 और 9 की निवासी हैं। एक साथ पांच नाबालिग लड़कियों के लापता होने से परिजनों में भारी दहशत का माहौल है। परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि बच्चियों के साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आवेदनकर्ता मधु देवी ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित जांच व कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। परिजनों ने आम लोगों से भी अपील की है कि बच्चियों के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर मोबाइल नंबर 7004971254 या नजदीकी थाने में संपर्क करें।

जिले भर में चलाया गया सघन वाहन जांच अभियान

भागलपुर। जिले में अपराध की रोकथाम, विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशानुसार भागलपुर जिला के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान के तहत पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आई। अभियान के दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल द्वारा नियमित पेट्रोलिंग की गई। इस दौरान शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष नाकेबंदी कर वाहनों की कड़ाई से जांच की गई। जांच प्रक्रिया के दौरान पुलिस टीम ने आने-आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों को रोककर उनकी गहन तलाशी ली। इसके साथ ही वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन कार्ड, इंश्योरेंस और प्रदूषण प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेजों का मौके पर ही सत्यापन किया गया। इस अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया।

पटना के गांधी मैदान में रावण दहन, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने की शिरकत



पटना,एजेंसी। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन, नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार शाम पटना के गांधी मैदान में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव एवं रावण दहन समारोह-2026 में शामिल हुए। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस समारोह में बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। दशहरा कमिटी ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यपाल सैयद अता हसनैन, नागालैंड के

राज्यपाल नंदकिशोर यादव और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट किए गए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम और श्रीलक्ष्मण के स्वरूपों की आरती की। इसके बाद बारी-बारी से बुराई के प्रतीक कुंभकरण, मेघनाद और रावण के पुतलों का दहन किया गया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक संजय सरावगी, विधायक संजय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव

मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने दुर्गा पूजा पंडालों में टेका मत्था, मां दुर्गा से बिहार की सुख-समृद्धि की कामना

किशनगंज। शारदीय दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर मंगलवार को बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने किशनगंज शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण कर मां दुर्गा के दर्शन किए।

इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद लिया और बिहार सहित देश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंत्री के पूजा पंडालों में पहुंचने पर श्रद्धालुओं और पूजा समिति के सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। भ्रमण के दौरान विभिन्न पूजा समितियों के सदस्यों ने मंत्री डॉ. जायसवाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। मंत्री ने मां दुर्गा के समक्ष शोश नवाते हुए सभी लोगों के सुखमय जीवन, परिवारों की खुशहाली और समाज में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की प्रार्थना की। इस दौरान पूजा समितियों के सदस्य, स्थानीय लोग और बड़ों संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। दुर्गा पूजा को लेकर किशनगंज शहर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। शहर के विभिन्न



इलाकों में आकर्षक ढंग से सजाए गए पूजा पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन के लिए सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहता है। पूजा पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण आध्यात्मिक बना हुआ है। वहीं, विभिन्न पूजा समितियों की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य धार्मिक गतिविधियां उत्सव की रौनक बढ़ा रही हैं। बाजारों और प्रमुख चौक-चौराहों पर भी चहल-पहल बनी हुई है। श्रद्धा, आस्था और उल्लास के बीच लोग मां दुर्गा की आराधना कर परिवार तथा समाज की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पूरे शहर में दुर्गाोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है।

सुविधा के साथ गहराया संकट: विक्रमशिला सेतु पुनर्निर्माण के जहाजों से गंगा में गिर रहा कचरा, डॉल्फिन और प्रवासी पक्षियों पर मंडराया खतरा



भागलपुर,एजेंसी। विक्रमशिला सेतु के पुनर्निर्माण कार्य के कारण आम जनता को राहत देने के लिए शुरू किया गया जलयान परिचालन अब गंगा के पर्यावरण के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। सुगम सफर के उत्साह में यात्री अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को भूलकर पवित्र नदी को डस्टबिन बना रहे हैं। जहाजों से सीधे गंगा में फेंकी जा रही प्लास्टिक की बोतलें, चिप्स के पैकेट और अन्य कचरा इस पूरे इकोसिस्टम को तबाह कर रहा है। यह संकट इसलिए

और भी भयानक है क्योंकि यह पूरा क्षेत्र विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य के अंतर्गत आता है। वर्तमान में यहाँ देश-विदेश से प्रवासी पक्षियों का आगमन भी शुरू हो चुका है। ऐसे में इंसानी लापरवाही इन बेजुबान और विलुप्तप्राय जीवों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। उल्लेखनीय है कि भागलपुर का यह गंगा क्षेत्र भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव, गांगेय डॉल्फिन (सोंस) का सुरक्षित गढ़ माना जाता है। इसके साथ ही सर्दियों की शुरुआत होते ही यहाँ मध्य

बलुआ बाजार में 61 लीटर अवैध शराब बरामद, एक आरोपित गिरफ्तार

सुपौल। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में बलुआ बाजार थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 61 लीटर अवैध शराब बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही अवैध शराब के परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सुपौल पुलिस की ओर से 20 अक्टूबर 2026 को जारी सूचना के अनुसार, बलुआ बाजार थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस को 61 लीटर शराब बरामद करने में सफलता मिली। मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा मंदिरों में की पूजा-अर्चना, राज्य की सुख-समृद्धि की कामना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बांका जिले के तेलडीहा दुर्गा मंदिर तथा तारापुर के दुर्गा मंदिर, असरगंज गोला और प्राचीन दुर्गा मंदिर, असरगंज में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा से राज्य की सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। तेलडीहा दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर के समीप बंदुआ नदी रिवर फ्रंट विकास योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी के तट पर विकसित किए जा रहे आधुनिक रिवर फ्रंट और पक्के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति और प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाने और सभी कार्यों को बेहतर ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया।

भागलपुर में आस्था और भव्यता का अनूठा संगम: कहीं ‘जगन्नाथ मंदिर’ की छटा तो कहीं ‘यमलोक’ का रोमांच

भागलपुर,एजेंसी। शहर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर इस बार पूजा पंडालों में अद्भुत कलाकारी और विविध थीम का नजारा देखने को मिल रहा है। मां दुर्गा के दर्शन के लिए उमड़ने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए मुख्य पूजा समितियां पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन प्रमुख और संवेदनशील पंडालों पर पुलिस बल मुस्तैद है। मारवाड़ी पाठशाला ओडिशा के प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर की तर्ज पर 110 फीट ऊंचा भव्य और दिव्य पंडाल बनाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र है।

छोटी खंजरपुर (एसएम कॉलेज रोड) में पारंपरिक रूप से अलग यहाँ ‘भूतिया संसार और यमलोक’ की थीम पर डरावना व रोमांचक पंडाल तैयार किया गया है। श्रद्धालु दैत्य के बड़े आकार के जबड़े से होकर मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। कचहरी चौक (सक्तर क्लब) में पटना जंक्शन के विश्वप्रसिद्ध महावीर हनुमान मंदिर के प्रारूप पर बेहद मनमोहक और भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया गया है, जिसकी विद्युत सज्जा देखते ही बनती है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी व बड़ी खंजरपुर इन स्थानों पर मनमोहक श्री कृष्ण थीम, इस्कॉन मंदिर और भव्य धार्मिक वास्तुकला की झांकी के साथ माता रानी का भव्य दरबार सजाया गया है। इन विशिष्ट पूजा पंडालों में महासप्तमी के बाद से ही दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग रही हैं। सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने



के उद्देश्य से भागलपुर पुलिस के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए पदाधिकारियों द्वारा इन सभी भीड़भाड़ वाले निरंतर निगरानी रखी जा रही है।



‘याद रखिए, गंगा पार करना हमारी जरूरत है, लेकिन गंगा को स्वच्छ रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अपनी सहूलियत के बदले में राष्ट्रीय धरोहर डॉल्फिन और हमारे मेहमान पक्षियों की जान दांव पर मत लगाइए। यदि प्रशासन और आम जनता ने समय रहते इस बढ़ते प्रदूषण पर लगाम नहीं लगाई, तो भागलपुर की पहचान माने जाने वाले ये विलुप्तप्राय जलीय जीव और खूबसूरत प्रवासी पक्षी हमेशा के लिए इस क्षेत्र से मुंह मोड़ लेंगे।

एक नजर

एशियाई पैरा खेल : होकाटो होतोझे सेमा ने गोला फेंक में जीता कांस्य पदक



आइची-नागोया,एजेंसी। भारत के होकाटो होतोझे सेमा ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा के एफ-56/एफ-57 वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 14.65 मीटर गोला फेंककर 9९9 रजा अंक हासिल किए। इसी स्पर्धा में भारत के सोमन राणा ९42 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। ईरान के यासीन खोसरावी ने 15.25 मीटर के खेलों के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि सऊदी अरब के हैदर सलाह ने 14.९7 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नागालैंड के रहने वाले होकाटो होतोझे सेमा भारतीय सेना में हवलदार हैं। 14 अक्टूबर 2002 को घुसपैठ रोधी अभियान के दौरान बारूदी सुरंग विस्फोट में उनका बायां पैर घुटने के नीचे से कट गया था। इस गंभीर चोट के बावजूद उन्होंने खेलों में अपनी नई पहचान बनाई और पैरा एथलेटिक्स को अपनाया। होकाटो ने पेरिस पैरालंपिक-2024 में भी गोला फेंक में कांस्य पदक जीता था। वह 2022 के एशियाई पैरा खेलों में भी कांस्य पदक अपने नाम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 2024 और 2025 के भारतीय ओपन में क्रमशः रजत और स्वर्ण पदक जीते। इस बार उन्होंने अपने पिछले एशियाई पैरा खेलों के प्रदर्शन में सुधार किया। वर्ष 2022 में वह 13.48 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे थे, जबकि इस बार 14.65 मीटर के साथ पदक जीतने में सफल रहे। सोमन राणा ने 2022 के एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इस बार वह चौथे स्थान पर रहे। इसके साथ ही दोनों भारतीय खिलाड़ियों का इन खेलों में अभियान समाप्त हो गया।

एशियाई पैरा खेल : निषाद कुमार ने खेलों के रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण



आइची-नागोया। भारत के स्टार पैरा एथलीट निषाद कुमार ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने 2.04 मीटर की छलांग लगाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। यह इन खेलों में निषाद का दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे एक दिन पहले उन्होंने पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा (टी-47) में भी 7.11 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था। निषाद ने प्रतियोगिता में 1.88 मीटर और 1.98 मीटर की ऊंचाई आसानी से पार की। इसके बाद उज्बेकिस्तान के मुहम्मदअबदुल्लोह तुर्सुनजोनोव 1.96 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। तुर्सुनजोनोव ने 1.94 मीटर की छलांग के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके बाद निषाद ने 2.04 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और खेलों का नया रिकॉर्ड कायम किया। निषाद की इस उपलब्धि ने एशियाई पैरा खेलों में भारत के पदक अभियान को मजबूती दी है। ऊंची कूद उनकी विशेषज्ञ स्पर्धा है और उन्होंने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पैरा एथलेटिक्स को ताकत दिखाई।

फ्रेंच ओपन : तन्वी शर्मा ने ईशारानी को हराकर ग्री-क्वार्टर फाइनल की ओर बढ़ाया कदम



पेरिस। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने फ्रेंच ओपन-2026 में अपनी हमवतन ईशारानी बरुआ को हराकर अगले दौर में जगह बना ली। मंगलवार को खेले गए महिला एकल के मुकाबले में तन्वी ने 22 वर्षीय ईशारानी को 21-12, 21-12 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला। इस जीत के बाद तन्वी का अगले दौर में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से सामना हो सकता है। आन को पहले दौर में डेनमार्क की अमाली शुल्ज से खेलना है। तन्वी हाल ही में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में आन से यांग को चुनौती दे चुकी हैं, हालांकि उन्हें 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा था। पेरिस में खेले गए मुकाबले में तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लगातार तीन अंक हासिल कर बढ़त बनाई और पहले गेम के मध्यांतर तक 11-3 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने महज 14 मिनट में फाइनल में आन से नाम कर लिया। दूसरे गेम में ईशारानी ने शुरुआत में बेहतर चुनौती दी और स्कोर 5-5 से बराबर रखा। हालांकि, तन्वी ने इसके बाद तेजी से अंक जुटाए और मध्यांतर तक 11-6 की बढ़त बना ली। उन्होंने इस लय को अंत तक कायम रखते हुए लगातार दूसरे गेम में 21-12 से जीत दर्ज की।

एशियाई पैरा खेल 2026: भारत के लिए ऐतिहासिक रहा दूसरा दिन, 5 स्वर्ण सहित जीते रिकॉर्ड 24 पदक

आइची-नागोया,एजेंसी। एशियाई पैरा खेलों में भारत ने दूसरे दिन (खेलों के आधार पर) रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए एथलेटिक्स, पैरा टेबल टेनिस, निशानेबाजी, पावरलिफ्टिंग और तैराकी में कुल 24 पदक अपने नाम किए, जिनमें 5 स्वर्ण, 6 रजत और 13 कांस्य पदक हैं। भारत अब 35 पदकों (9 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य) के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर है। दिन के प्रमुख आकर्षणों में दीप्ति जीवनजी का महिलाओं की 400 मीटर दौड़ टी-20 स्पर्धा में स्वर्ण पदक, प्रणव सूरमा और राम रतन सिंह का पुरुषों की चक्का फेंक एफ-51/एफ-52/एफ-53 स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतना शामिल रहा। निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा में खेलों का नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। सिमरन ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ टी-12 में स्वर्ण, जबकि तेजलबेन डामोर ने कांस्य पदक हासिल किया।

भारत ने पुरुषों की चक्का फेंक एफ-43/एफ-44/एफ-62/एफ-64 स्पर्धा में भी तीनों पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। देवेंद्र कुमार ने स्वर्ण, राकेश ने रजत और प्रदीप कुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 200 मीटर दौड़ टी-35 में प्रीति पाल ने रजत पदक जीता। पुरुषों की भाला फेंक एफ-53/एफ-54 स्पर्धा में प्रदीप कुमार ने रजत और आयुष वर्मा ने कांस्य पदक हासिल किया। पावरलिफ्टिंग में अशोक कुमार मलिक ने पुरुषों के 65 किलोग्राम तक के भार वर्ग में रजत पदक जीता। निशानेबाजी में मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा में रजत और सृष्टि अरोड़ा ने महिलाओं की इसी स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। एथलेटिक्स की अन्य स्पर्धाओं में प्रवीण शर्मा ने पुरुषों की गोला फेंक



एफ-11 और होकाटो होतोझे सेमा ने पुरुषों की गोला फेंक एफ-56/एफ-57 स्पर्धा में कांस्य पदक जीते। पैरा टेबल टेनिस में सोनलबेन पटेल, भाविना पटेल, प्राची पांडे, सहाना रवि और जेहान मदन ने कांस्य पदक हासिल किए। तैराकी में हिमांशु नांदल ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस-11 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वहीं, निरंजन मुकुंदन ने पुरुषों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले एसएम-7 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने दूसरे दिन विभिन्न खेलों में कुल 24 पदक जीतकर एशियाई पैरा खेलों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

एशियाई पैरा खेलों में दूसरे दिन भारत के 24 पदक विजेता

स्वर्ण पदक विजेता

- देवेन्द्र कुमार — एथलेटिक्स, पुरुषों की चक्का फेंक एफ-43/एफ-44/एफ-62/एफ-64।
- प्रणव सूरमा — एथलेटिक्स, पुरुषों की चक्का

एशियाई पैरा खेल: चक्का फेंक में भारत का वलीन स्वीप, देवेंद्र ने स्वर्ण, राकेश को रजत और प्रदीप ने जीता कांस्य

नागोया। भारत ने पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए तीनों पदक अपने नाम किए। देवेन्द्र कुमार ने स्वर्ण, राकेश ने रजत और प्रदीप कुमार ने कांस्य पदक जीतकर भारतीय तिरंगे का मान बढ़ाया। यह मुकाबला एफ-43, एफ-44, एफ-62 और एफ-64 वर्गों के खिलाड़ियों के बीच आयोजित किया गया।

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के किशकंधा गांव के रहने वाले देवेन्द्र कुमार ने 49.71 मीटर दूर चक्का फेंककर 781 रजा अंक हासिल किए और स्वर्ण पदक जीता। एफ-44 वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे देवेन्द्र का खेलों में यह शानदार प्रदर्शन रहा। उनके पिता धर्मेन्द्र पूर्व सैनिक और राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी रहे हैं। देवेन्द्र भी बचपन से वॉलीबॉल और चक्का फेंक में रुचि रखते थे तथा वॉलीबॉल में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। 121 वर्ष की उम्र में एक दुर्घटना में उनका बायां पैर टूट गया और कुल्हे में कई फ्रैक्चर हुए। दो महीने अस्पताल में रहने के बाद उन्होंने परिवार और दोस्तों के सहयोग से खेल में वापसी की। वर्ष 2019 में उन्होंने ओपन राष्ट्रीय पैरा

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता और उसी वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। वह 2022 के एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। उनके प्रशिक्षक संदीप कुमार हैं। एफ-44 वर्ग के राकेश ने 49.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 771 रजा अंक हासिल कर रजत पदक जीता। उन्होंने इस स्पर्धा में भारत की स्वर्णिम सफलता को दोहरे पदक से आगे बढ़ाया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राकेश ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अभ्यास के दम पर अपनी पहचान बनाई है। एशियाई पैरा खेल-2026 में उनका रजत पदक भारत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। उत्तर प्रदेश के प्रदीप कुमार ने एफ-64 वर्ग में 51.15 मीटर दूर चक्का फेंककर कांस्य पदक हासिल किया। उन्हें 669 रजा अंक मिले। हालांकि, उनका थ्रो दूरी के लिहाज से सबसे लंबा रहा, लेकिन बर्गीकरण आधारित अंक प्रणाली के कारण वह तीसरे स्थान पर रहे। प्रदीप की उपलब्धियों में वर्ष 2022 के एशियाई पैरा खेलों में भाला फेंक एफ-54 स्पर्धा का रजत पदक और 2026 की राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

रणजी ट्रॉफी: ऋतुराज गायकवाड़ का शतक, साई किशोर के 10 विकेट; पंजाब, बंगाल और यूपी की जीत

नई दिल्ली,एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के तीसरे दिन मंगलवार को बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ ने शतक जड़ा, जबकि तमिलनाडु के साई किशोर ने 10 विकेट लेकर उत्तराखंड के खिलाफ टीम को पारी और 66 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में तमिलनाडु ने प्रदोष रंजन पॉल के 136 और बाबा इंद्रजीत के 77 रन की मदद से 313 रन बनाए। पहली पारी में 179 रन से पिछड़ने के बाद उत्तराखंड दूसरी पारी में 113 रन पर ढेर हो गया। प्रदोष को शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। झारखंड के पहली पारी के 169 रन के जवाब में महाराष्ट्र ने तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 527 रन बनाकर थोपित कर दी। ऋतुराज गायकवाड़ ने 172 गेंदों में 101 रन बनाए, जबकि अंकित बावने ने 358 गेंदों पर 169 रन की पारी खेली। बावने का यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 26वां शतक था। महाराष्ट्र



को पहली पारी में 358 रन की बढ़त मिली। दिन का खेल समाप्त होने तक झारखंड ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 130 रन बना लिए थे। शिखर मोहन 74 और उत्कर्ष सिंह 45 रन बनाकर नाबाद थे। तीन बार की चैंपियन विदर्भ को मौजूदा चैंपियन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ आसान जीत नहीं मिली। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 260 रन बनाए, जबकि विदर्भ ने रविकुमार समर्थ के 143 रन की बढौलत 305 रन बनाकर 45 रन की बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की टीम 123 रन पर सिमट गई। नचिकेत भुते ने पांच विकेट लिए। इससे विदर्भ को जीत के लिए 79 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन टीम की हालत छह विकेट पर 26 रन के स्कोर पर बेहद खराब हो गई। सुनील



कुमार ने चार विकेट लेकर विदर्भ को संकट में डाल दिया। इसके बाद हर्ष दुबे (नाबाद 22) और नचिकेत भुते (नाबाद 13) ने टीम को तीन विकेट शेष रहते जीत दिला दी। उत्तर प्रदेश ने गोवा को 68 रन से हराया। रिकू सिंह ने पहली पारी में 118 रन की नाबाद पारी खेली और दूसरी पारी में 24 रन बनाए। उत्तर प्रदेश ने पहली पारी में 202 रन बनाए थे, जबकि गोवा की टीम 164 रन पर आउट हुई। दूसरी पारी में उत्तर प्रदेश ने 197 रन बनाए और गोवा के सामने 236 रन का लक्ष्य रखा। गोवा की ओर से सुयश प्रभुदेसाई ने 72 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन पूरी टीम 167 रन पर सिमट गई। कार्तिक यादव ने पांच और वैभव चौधरी ने तीन विकेट लिए। रिकू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हरमनप्रीत की आतिशी पारी से भारत का टी20 सीरीज में वलीन स्वीप, तीसरे मैच में जिम्बाब्वे को 92 रन से हराया



मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन ही बना सकी। भारत की ओर से नंदनी शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटकें। क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, दीप्ति शर्मा और निकी प्रसाद

को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ भारत ने टी20 सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया। अब दोनों टीमों वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 23 अक्टूबर से वडोदरा में खेला जाएगा।

एशियाई पैरा खेल: सिमरन ने स्वर्ण जीतकर बनाया खेलों का नया रिकॉर्ड, डामोर को कांस्य

आइची-नागोया। भारत की पैरा एथलीट सिमरन शर्मा ने एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, पदार्पण कर रहीं भारत की तेजलबेन डामोर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक जीते। सिमरन ने फाइनल में 24.80 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने ईरान की हज्जर सफरजादेह को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 25.02 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता। तेजलबेन ने 25.23 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की याकिन शेन 26.49 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

सिमरन ने एशियाई पैरा खेल-2022 में इसी स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तब उन्होंने 26.12 सेकंड का समय निकाला था। इस बार उन्होंने अपने समय में 1.32 सेकंड का सुधार करते हुए स्वर्ण पदक जीता और खेलों का नया रिकॉर्ड कायम किया। दिल्ली के बुराड़ी की रहने वाली सिमरन दृष्टिबाधित खिलाड़ियों की टी-12 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करती हैं। उनका जन्म समय से पहले हुआ था और बचपन से ही उन्हें दृष्टिबाधिता की चुनौती का सामना करना पड़ा। पारिवारिक कठिनाइयों और आर्थिक परेशानियों के बावजूद उन्होंने खेलों में अपना सफर जारी रखा। उनके पति और प्रशिक्षक गजेंद्र सिंह ने उनके प्रशिक्षण और तैयारी में अहम भूमिका निभाई। सिमरन ने वर्ष 2019 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेकर



अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। उन्होंने पेरिस पैरालंपिक-2024 में महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था और 100 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था। वर्ष 2025 की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने 100 मीटर में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक जीता था। वहीं, गुजरात की 24 वर्षीय दृष्टिबाधित पैरा एथलीट डामोर टी-12 श्रेणी में स्प्रीट स्पर्धाओं में हिस्सा लेती हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में पैरा खेलों का सफर शुरू किया। सितंबर 2026 में दुबई पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा में 25.47 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2025 की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने छठा स्थान हासिल किया और 2026 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता। उनके प्रशिक्षक नितिन चौधरी हैं। तेजलबेन का सपना गुजरात के दाहोद में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए विशेष दौड़ ट्रैक बनवाना है, ताकि वे भी खेलों में अपनी प्रतिभा निखार सकें। एशियाई पैरा खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन जारी है।

एक नजर

अल्बानिया की पूर्व उपप्रधानमंत्री बेलिंडा बालुकु पर भ्रष्टाचार के औपचारिक आरोप तय

तिराना,एजेसी। अल्बानिया में भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व उपप्रधानमंत्री बेलिंडा बालुकु के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने औपचारिक आरोप तय कर दिए हैं। वर्ष 2021 में 200 मिलियन यूरो से अधिक मूल्य के दो निर्माण ठेकों के आवंटन में कथित हस्तक्षेप को लेकर बालुकु पर जांच चल रही है। इस मामले में पहले आरोप लगाए जाने के बाद राजधानी तिराना में विरोध प्रदर्शन और हिंसा भड़क उठी थी। 53 वर्षीय बालुकु प्रधानमंत्री एदी रामा की उपप्रधानमंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने बुनियादी ढांचा मंत्रि के रूप में भी काम किया है। पिछले वर्ष के अंत में उन पर ठेकों के आवंटन को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था। बालुकु ने तब किसी भी गलत काम में शामिल होने से इनकार किया था। उच्चस्तरीय भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने वाले विशेष अभियोजन कार्यालय ने ईमेल के जरिए जारी बयान में बताया कि बालुकु पर सार्वजनिक निविदाओं या नीलामी में प्रतिभागियों के साथ समानता के सिद्धांत का उल्लंघन करने और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े निष्क्रिय भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। उन पर आपराधिक गतिविधियों से प्राप्त धन को वैध बनाने यानी मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप भी है। कार्यालय के मुताबिक, मामले में शामिल अन्य लोगों को भी औपचारिक रूप से आरोपों की जानकारी देने की प्रक्रिया जारी है। प्रधानमंत्री रामा ने फरवरी में बालुकु को पद से हटा दिया था। हालांकि, उनकी संसदीय प्रतिरक्षा समाप्त करने का प्रयास सफल नहीं हुआ, जिसके कारण उनकी गिरफ्तारी का रास्ता नहीं खुल सका।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में डेंगू का प्रकोप, 24 घंटे में 99 नए मामले



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में डेंगू संक्रमण तेजी से फैल रहा है। पिछले 24 घंटे में 99 नए मामले सामने आए हैं, जो वर्ष 2026 में एक दिन के दौरान दर्ज किए गए मामलों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या बताई गई है। इसके साथ ही प्रांत में इस साल संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 4,091 हो गई है। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, एकीकृत रोग निगरानी एवं प्रतिक्रिया प्रणाली (आईडीएसआरएस) के आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रांत में फिलहाल 144 सक्रिय मामले हैं, जबकि 3,946 मरीज संक्रमण से उबर चुके हैं। अक्टूबर में डेंगू के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। कोहाट जिला संक्रमण से विशेष रूप से प्रभावित है। यहां एक अक्टूबर से अब तक 80 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद बनू में 24 और पेशावर में 18 मामले सामने आए हैं। कोहाट में मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पतालों पर दबाव बढ़ रहा है। संक्रमण पर काबू पाने और इसके प्रसार को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने प्रयास तेज कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में भी डेंगू की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस साल एक जनवरी से 16 अक्टूबर तक यहां संक्रमण के 42 मामले दर्ज किए गए। इनमें 32 मामले ग्रामीण इलाकों और 10 शहरी क्षेत्रों के हैं।

कतर ने इजराइल को युद्ध और तबाही का पक्षधर बताया



दोहा। कतर ने इजराइल के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि वह बातचीत के जरिए गाजा संघर्ष समाप्त करने को लेकर प्रतिबद्ध नहीं है। कतर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इजराइली नेता शांति के बजाय युद्ध, मोत और तबाही पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और प्रधानमंत्री के सलाहकार माजिद अल-अंसारी ने दोहा में आयोजित ग्लोबल सिक्योरिटी फोरम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में इजराइल में शांति के लिए कोई भरोसेमंद साझेदार नजर नहीं आ रहा है। अल-अंसारी ने इजराइल के राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ रहे नेताओं के बयानों का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि क्या उनमें से कोई फिलिस्तीनियों के साथ शांति स्थापित करने या पश्चिम एशिया में स्थिरता सुनिश्चित करने की बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिबद्धता जरूरी है लेकिन मौजूदा बयानों से ऐसी प्रतिबद्धता स्पष्ट नहीं होती।

पोप लियो की जेलेंस्की से अपील, ओलेशकी में राहत पहुंचाने के लिए रूस से सहयोग करे यूक्रेन

वेटिकन सिटी। पोप लियो ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत कर रूस और यूक्रेन से घिरे हुए ओलेशकी शहर में खाद्य सामग्री और चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए सहयोग करने की अपील की है। वेटिकन के मुताबिक, पोप ने शहर में फंसे नागरिकों की स्वैच्छिक और सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

वेटिकन ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि पोप लियो और जेलेंस्की के बीच 19

अक्टूबर को बातचीत हुई। पोप ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्षों के बीच सहयोग से ओलेशकी तक भोजन और दवाएं पहुंचाने का रास्ता खुलेगा तथा आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सकेगा। जेलेंस्की की ओर से बातचीत पर तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया गया। ओलेशकी पर फरवरी 2022 से रूसी सेना का कब्जा है। शहर के निवासियों ने खाद्य संकट लगातार गंभीर होने की जानकारी दी है। ऐसे में राहत सामग्री पहुंचाने और नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए मानवीय

प्रयास तेज करने की जरूरत बताई जा रही है। इससे पहले, 16 अक्टूबर को पोप लियो ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की थी। उस दौरान उन्होंने ओलेशकी में सहायता पहुंचाने के लिए युद्धविराम की व्यवस्था करने का आग्रह किया था। क्रैमलिन ने बातचीत के बाद कहा था कि पुतिन शहर में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए पोप के साथ सहयोग करने पर सहमत हुए हैं, हालांकि उसके बयान में युद्धविराम का उल्लेख नहीं था।

रोमानिया में छह महीने का राजनीतिक गतिरोध खत्म, लुका निकुलेस्कु बने प्रधानमंत्री

बुखारेस्ट। रोमानिया की संसद ने मंगलवार को स्वतंत्र नेता लुका निकुलेस्कु को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। इसके साथ ही देश में करीब छह महीने से जारी राजनीतिक गतिरोध समाप्त हो गया। इस संकट ने रोमानिया की निवेश-ग्रेड क्रेडिट रेटिंग पर दबाव बढ़ाया और निवेशकों के विश्वास को प्रभावित किया था। 55 वर्षीय निकुलेस्कु ने संसद में विश्वास मत हासिल किया। उन्होंने वामपंथी नेताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल करते हुए अल्पमत सरकार का गठन किया है। उन्हें केंद्रपंथी राष्ट्रपति निकुशोर दान ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया था। मई की शुरुआत में यूरोप समर्थक व्यापक गठबंधन सरकार के पतन के बाद यह नई सरकार बनाने का राष्ट्रपति का चौथा प्रयास था।

निकुलेस्कु को संसद में 280 मत मिले, जबकि सरकार के पक्ष में कम से कम 233 मतों की जरूरत थी। पूर्व राजनयिक, उप विदेश मंत्री और पत्रकार रह चुके निकुलेस्कु के सामने अब देश की अर्थव्यवस्था को संभालने की चुनौती है। विश्वास मत से पहले सांसदों को संबोधित करते हुए निकुलेस्कु ने कहा, 'मैं आपसे बिना शर्त समर्थन नहीं मांग रहा हूं। मैं केवल यह समझने का आग्रह कर रहा हूं कि इतने महीनों के संकट के बाद रोमानिया को पूर्ण अधिकारों वाली सरकार की जरूरत है। उल्लेखनीय कि रोमानिया नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य है। नई सरकार के सामने राजनीतिक स्थिरता बहाल करने के साथ आर्थिक सुधारों और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाने की चुनौती होगी।

काला सागर में जहाजों पर हमलों के बाद नाटो बढ़ाएगा निगरानी, तैनात होंगे विमान और ड्रोन

ब्रसेल्स। काला सागर में जहाजों पर हुए सिलसिलेवार ड्रोन हमलों के बाद नाटो ने क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। सैन्य गठबंधन ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अतिरिक्त समुद्री गश्ती विमान, रडार सिस्टम और ड्रोन तैनात करेगा। ये हमले रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े माने जा रहे हैं, हालांकि नाटो ने इनके लिए किसी देश को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। नाटो के मुख्यालय ब्रसेल्स में गठबंधन की प्रमुख निर्णय लेने वाली संस्था उत्तर अटलांटिक परिषद की बैठक को बैठक में काला सागर की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई। नाटो के सैन्य प्रवक्ता अमेरिकी सेना के कर्नल मार्टिन एल. ओ'डॉनेल के अनुसार, विमानों, ड्रोन और रडार प्रणालियों के अलावा सदस्य देश खुफिया अधिकारियों तथा विस्फोटकों की फोरेंसिक जांच करने वाली टीमों को भी भेज चुके हैं या भेजने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले सप्ताह रोमानिया के काला सागर तट के पास दो रासायनिक टैंकरों पर ड्रोन हमले हुए थे। हमलों के बाद जहाजों में आग लग गई और सात नाविक लापता बताए गए। इससे पहले के दस दिनों में रोमानिया और पड़ोसी नाटो सदस्य देश बुल्गारिया के तट के पास कम से कम पांच अन्य मालवाहक जहाजों को भी निशाना बनाया गया। इन घटनाओं में कम से कम 23 नाविकों के लापता होने या मारे जाने की खबर है। नाटो की मुख्य प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि गठबंधन अपने पूर्वी हिस्से में सुरक्षा व्यवस्था पहले ही मजबूत कर चुका है, जिसमें ड्रोन-रोधी क्षमताएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा

कि नाटो एकजुट रहेगा और संभावित खतरों से निपटने के लिए तैयार रहेगा, ताकि गठबंधन के

करीब एक अरब लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वर्ष में सिर्फ एक दिन खुलता है काठमांडू का तलेजु भवानी मंदिर, दर्शन के लिए सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

काठमांडू। आम श्रद्धालुओं के लिए साल में केवल एक दिन खुलने वाले काठमांडू के तलेजु भवानी मंदिर में दर्शन के लिए मंगलवार सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। विश्व धरोहर सूची में शामिल हनुमानढोका दरबार क्षेत्र स्थित तलेजु भवानी मंदिर मंगलवार को सुबह 5 बजे से आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। हालांकि, मंदिर खुलने से पहले ही दर्शनार्थियों की कतार लग गई थी। हनुमानढोका दरबार प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख जन्यती श्रेष्ठ प्रधान ने बताया कि मंदिर में सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक पूजा और दर्शन की व्यवस्था की गई है। यह मंदिर हर साल शारदीय नवरात्र के महानवमी के अवसर पर ही आम श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है। हालांकि, कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 में मंदिर आम लोगों के लिए नहीं खोला गया था। आश्विन शुक्ल नवमी यानी महानवमी के दिन ही खुलने वाले इस मंदिर में हर साल हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। नेपाल पंचांग निर्णायक विकास समिति की ओर से निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार, तुलजा भवानी को गत शनिवार, सुबह 7:37 बजे हनुमानढोका दरबार क्षेत्र के मूलचोक में लाया गया था। उसी दिन सुबह 10:39 बजे उन्हें निर्धारित आसन पर विराजमान कराया गया। तलेजु भवानी को मूलचोक में विराजमान रखकर महाअष्टमी की रात कालरात्रि पूजा की गई। मंदिर प्रबंधन के

अनुसार, इस पूजा के दौरान 54 बकरों और 54 भैंसों की बलि देकर देवी की आराधना भी की गई। विजयादशमी तक तलेजु भवानी को मूलचोक में ही रखकर पूजा-अर्चना की जाएगी। बुधवार को विजयादशमी के दिन समिति की ओर से

निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार सुबह 10:51 बजे देवी की यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सुबह 11:52 बजे तलेजु भवानी को उनके मूल मंदिर में पुनः निर्धारित आसन पर विराजमान कराया जाएगा।

नेपाल के राष्ट्रपति भवन में नौ कन्याओं की पूजा

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने नवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में विधि-विधान के साथ नौ कन्याओं की पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति पौडेल ने प्रथम महिला सचिवा पीडेल के साथ परंपरा के अनुसार नौ कन्याओं की पूजा की। नवरात्रि के दौरान नवदुर्गा के प्रतीक के रूप में नौ कन्याओं की पूजा-अर्चना करने की परंपरा है। इस अवसर पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों—शैलपुत्री,

ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री—की पूजा की जाती है। राष्ट्रपति पौडेल ने नौ कन्याओं के पैर धोए, उन्हें टीका लगाया और उपहार भी भेंट किए। नेपाल में राष्ट्र प्रमुख की हैसियत से कन्या पूजा करने की परंपरा है। पहले यह परंपरा नेपाल के राजाओं द्वारा राजपरिवार में किया जाता था। देश में गणतंत्र आने के बाद भी इस परंपरा को निरंतरता दी गई है।

🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳

🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳

🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳 🇮🇳

एक नजर

महाअष्टमी पर पुलिस की सख्त कार्रवाई: 67 गिरफ्तार, यातायात नियम तोड़ने पर 726 लोगों का कटा चालान

कोलकाता,एजेंसी। दुर्गा पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने महाअष्टमी (19 अक्टूबर) के अवसर पर पूरे शहर में सख्त अभियान चलाया। मंगलवार सुबह जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पुलिस विभाग ने विभिन्न अपराधों और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 67 लोगों को गिरफ्तार किया है और 726 लोगों के खिलाफ ट्रैफिक चालान (प्रॉसिक्यूशन) दर्ज किए हैं। गिरफ्तारी और जब्ती के आंकड़ों का विस्तृत विवरण देते हुए प्रशासन ने बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों से असामाजिक गतिविधियों और अन्य अपराधों में शामिल 67 लोगों को हिरासत में लिया गया। हालाँकि, पुलिस की कड़ी निगरानी और सघन जांच अभियान के बीच इस दिन किसी भी प्रकार की अवैध शराब (आईडी लिंकर) की जब्ती नहीं हुई है। सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात विभाग ने नियम तोड़ने वालों पर विशेष रूप से शिकंजा कसा है। ट्रैफिक विभाग द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई के तहत कुल 726 लोगों पर जुर्माना लगाया गया। पुलिस ने सबसे अधिक सख्ती बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों पर दिखाई, जिसके तहत 231 चालान काटे गए। इसके अलावा, एक ही बाइक पर तीन लोगों के सवार होने (ट्रिपल राइडिंग) के मामले में 155 लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई की गई। त्योहारी भीड़ के बीच सड़कों पर लोगों की जान जोखिम में डालने वालों से भी पुलिस सख्ती से निपटी। लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने (रैश ड्राइविंग) के आरोप में 90 मामले दर्ज किए गए, जबकि शराब पीकर गाड़ी चलाने (ड्रंकन ड्राइविंग) के गंभीर जुर्म में 81 लोगों को पकड़ गया। इन सबके अतिरिक्त, अन्य विविध यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में 169 चालान काटे गए। दरअसल त्योहार के इस उल्लास के बीच आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और नियम तोड़ने वालों के साथ कड़ाई से निपटा जा रहा है।

राम नगरी से लेकर संगमनगरी तक धूमधाम से मना विजयादशमी पर्व, योगी ने गोरखपुर में दिया सनातन एकता का संदेश

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में उत्साह और उल्लास के साथ विजयादशमी का पर्व मनाया जा रहा है। जगह-जगह शोभायात्राएं निकाली गयीं और रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एकता से ही राष्ट्र की रक्षा संभव है, क्योंकि विदेशी ताकतें देश और समाज तोड़ने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने मुगलों के आक्रमण से लेकर भारतीय संस्कृति पर हो रहे प्रहारों का विस्तार से उल्लेख किया और कहा कि समाज को ऐसे तत्वों से सावधान रहना है। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों-अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और चित्रकूट में दशहरा (विजयादशमी) का पर्व बेहद भव्य रूप से मनाया जा रहा है, जहाँ अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक के रूप में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन किया गया और पुतला दहन का यह रितिसिला देर रात तक जारी रहने वाला है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विभिन्न क्षेत्रों में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। जगह-जगह राम लीला का मंचन करने के साथ ही रावण के पुतले का दहन किया गया। ऐशबाग, चौक और गोमतीनगर में रावण के पुतला दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। कानपुर में शिवाला स्थित दशानन मंदिर में सुबह रावण की पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने दशानन के जयकारे लगाए। यहां दशहरे पर रावण की पूजा की जाती है। रामनगरी अयोध्या में इस बार का दशहरा बेहद खास रहा। प्रसिद्ध रामलीलाओं के साथ ही प्रभु श्री राम के स्वरूप ने तीर चलाकर रावण के विशाल पुतले का दहन किया। काशी में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम दिखा। यहाँ की प्रसिद्ध रामनगर की विश्वप्रसिद्ध रामलीला और अन्य प्रमुख मैदानों बोका और सिमरा में लाखों की भीड़ के बीच रावण दहन हुआ। घाटों पर भी विशेष रौनक रही। इसी प्रकार संगम नगरी प्रयागराज में विभिन्न कट्या और पथरकूटी रामलीला कमेटीयों के तत्वावधान में भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं। इसके बाद ऊंचे पुतलों का दहन कर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन किया गया। भगवान राम की तोपभूमि चित्रकूट में भी दशहरे की धूम रही। यहाँ मंदाकिनी नदी के तटों और प्रमुख खेल मैदानों में राम-रावण युद्ध के जीवंत मंचन के बाद रावण दहन किया गया।

भगवान श्रीराम ने रिश्तों का महत्व बताया, अपने आचरण से सदमार्ग पर चलने का दिया संदेश: डॉ मोहन यादव

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने रिश्तों का महत्व बताया और अपने आचरण से सभी को सदमार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना का कार्य कर रहे हैं। दुनिया के 200 देश भारत को सम्मान की नजर से देख रहे हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम आसीन हैं। आने वाले समय में मधुरा, वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण भी मुस्कुराएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर भोपाल के कोलार रोड स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर (बंजारी दशहरा मैदान) में रावण दहन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति करने वाली बेटियों और अन्य कलाकारों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित नागरिकों को दशहरे की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। कोलार हिन्दू उत्सव समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और विधायक रामेश्वर शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भगवान श्रीराम, सीतामाता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी के स्वरूपों की आरती उतारी। इस मौके पर 105 फीट ऊंचे रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रधान आरक्षक ट्रैफिक जगदीश



दांगी को साहसिक कार्य के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सांसद वीडी शर्मा, भोपाल की महापौर मालती राय, महामंत्री राहुल कोठारी, भोपाल जिला अध्यक्ष रविंद्र यति और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कोलार के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार देर रात सलैया क्षेत्र में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में रामराज लाने के लिए प्रयासरत हैं। भगवान श्रीराम की तरह उन्होंने शत्रु को उसके घर में घुसकर मारने का शौर्य भी दिखाया है। जनकल्याणकारी नीतियों से प्रधानमंत्री मोदी सुशासन और विकास

अर्थात रामराज स्थापना का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज राष्ट्रवासियों ने देखा है कि न्यायालय के निर्णय का किस तरह सम्मान होता है। अयोध्या में भगवान श्रीराम का धाम तो विकसित हो गया। अब भगवान श्रीकृष्ण का धाम विकसित हो इसके लिए समस्त राष्ट्रवासी उम्मीद भरी नजरों से इस कार्य की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समस्त नागरिकों को दशहरे की बधाई दी। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पहले के सलैया क्षेत्र में 11 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित की जाने वाली सलैया गुराडी सड़क के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों को

दून में 181 फुट के रावण का दहन, मुख्यमंत्री बोले-न्याय, सुशासन और जनकल्याण ही रामराज्य की मूल भावना

देहरादून,एजेंसी। राजधानी में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। परेड ग्राउंड में बन्ू बिरादरी दशहरा कमेटी की ओर से आयोजित दशहरा महोत्सव में 181 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कार्यक्रम में शामिल हुए और प्रदेशवासियों से सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री दशहरा महोत्सव में रिमोट का बटन दबाकर 181 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया। रावण दहन के साथ ही मैदान में मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी का पर्व सत्य की शक्ति और धर्म की महता का स्मरण कराता है। भगवान श्रीराम और रावण के प्रसंग से यह सीख मिलती है कि अहंकार और अधर्म चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, संयम और आदर्श आचरण की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशहरा केवल रावण के पुतले के दहन का पर्व नहीं, बल्कि आत्ममंथन और आत्मशुद्धि का अवसर भी है। लोगों को अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और नकारात्मक प्रवृत्तियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिए। भ्रष्टाचार, अन्याय, नशे और महिलाओं के प्रति हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों



को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय, सुशासन और जनकल्याण ही रामराज्य की मूल भावना है। राज्य सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ जनहित में कार्य कर रही है। बन्ू बिरादरी दशहरा कमेटी के तत्वावधान में आयोजित समारोह के तहत दोपहर में श्री गोपीनाथ मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा कालिका माता भवन, मोती बाजार, राजपुर रोड और ऐशलेहॉल होते हुए परेड ग्राउंड पहुंची। आयोजन के दौरान लंका दहन और रावण दहन के साथ आतिशबाजी भी की गई। रावण दहन देखने

के लिए बड़ी संख्या में लोग मैदान में पहुंचे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन फणीन्द्र नाथ शर्मा,बन्ू बिरादरी के पदाधिकारी और सदस्य,आयोजन समिति के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। शहर में दशहरे के अवसर पर अन्य स्थानों पर भी आयोजन किए गए। लक्ष्मण चौक वेलफेयर सोसाइटी की ओर से हिंदू नेशनल इंटर कॉलेज मैदान में 60 फुट ऊंचे रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया गया। यहां भी आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

चोरबागान हादसा : मृतकों के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री, 25-25 लाख रुपये की सहायता

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता के चोरबागान में दुर्गापूजा के दौरान मची भगदड़ में जान गंवाने वालों के परिजनों से मिलने मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी मंगलवार को विभिन्न जिलों में पहुंचे। नवमी के दिन उन्होंने पूर्व बर्दवान, हुगली, नदिया और हावड़ा में मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। साथ ही प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने जिस तत्परता से कदम उठाए हैं, वैसी सक्रियता पिछली सरकार के कार्यकाल में नहीं दिखाई दी थी। इसलिए दोनों सरकारों की तुलना नहीं की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार दोपहर सबसे पहले पूर्व बर्दवान जिले के बीरपुर का दौरा किया। यहां के निवासी 43 वर्षीय टगर बेज और उनके 14 वर्षीय बेटे संदीप बेज की कोलकाता में दुर्गापूजा देखने के दौरान हादसे में मौत हो गई थी। पत्नी और बेटे को खोने वाले संजय बेज से मुख्यमंत्री ने मुलाकात की। करीब 15 मिनट तक बातचीत करने के बाद उन्होंने संजय को दोनों मृतकों के लिए कुल 50 लाख रुपये के चेक सौंपे। साथ ही परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद संजय बेज ने कहा कि दुर्गापूजा देखने गए थे, लेकिन मुझे अपनी पत्नी और बेटे को खोना पड़ा। पूजा के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री स्वयं हमारे घर आए, हमसे मिले और सांत्वना दी। यह हमारे लिए अप्रत्याशित था। उन्होंने हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। पूर्व बर्दवान से मुख्यमंत्री सीधे हुगली जिले के

- ☐ **प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का आश्वासन**
- ☐ **कलकत्ता हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित होगी जांच समिति**



आरामबाग पहुंचे। यहां संजय बेज के रिश्तेदार पियाली प्रामाणिक का परिवार रहता है। पियाली, संजय के साले की पत्नी थीं। वह भी उनके साथ दुर्गापूजा देखने कोलकाता गई थीं, जहां हादसे में उनकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने आरामबाग के बालिया गांव स्थित उनके घर पहुंचकर परिजनों को 25 लाख रुपये की सहायता का चेक सौंपा। पियाली की मौसी ने मुख्यमंत्री की तत्परता पर संतोष जताया। इसके बाद मुख्यमंत्री नदिया जिले के चाकदह पहुंचे। यहां की निवासी आरती सरकार की भी चोरबागान में दुर्गापूजा देखने के दौरान

अन्य लोगों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। वहीं, श्रद्धा की ओर से शिवा द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका जताए जाने की खबरें भी सामने आई हैं। दोनों बहन रश्मि दुबे और चालक दानिश को नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। लखनऊ पुलिस, उत्तर प्रदेश की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और नागपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीनों की 11 दिनों की तलाश के बाद पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी से मामले की जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, शिवा शर्मा की मौत की असली वजह अब भी स्पष्ट नहीं हो पाई है। शिवा शर्मा लखनऊ में कैफे व्यवसाय से जुड़े हुए थे। 09 अक्टूबर को हजरतगंज थाना क्षेत्र में स्थित एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद उनकी मां रंजना शर्मा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बेटे की मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए आशंका जताई थी कि यह आत्महत्या या दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या का मामला हो सकता है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, शिवा शर्मा और श्रद्धा दुबे के बीच करीबी संबंध थे। शिवा के परिजनों ने श्रद्धा सहित

भगदड़ में मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने उनके परिजनों से मुलाकात कर आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने हावड़ा जिले के लिलुआ स्थित आनंदनगर विद्यासागर पल्ली में आकृति राउत के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की। चोरबागान हादसे में आकृति की भी मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए 25 लाख रुपये की सहायता का चेक सौंपा। पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग चले गए, उन्हें हम वापस नहीं ला सकते।

लेकिन इसके बाद की जिम्मेदारी हमें निभानी होगी। यह हमारा कर्तव्य है। चोरबागान की घटना से जिन परिवारों की आंखों में आंसू हैं, उनका दुख हमारा भी दुख है। इसलिए इस बार हम केवल धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन कर रहे हैं और आनंदोत्सव से दूर रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने वर्ष 2025 में कोलकाता में बिजली का कटौत लगने से 13 लोगों की मौत और दार्जिलिंग के नागराकाटा में अचानक आई बाढ़ से हुई मौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं के बाद भी पूजा समारोह, डांडिया और कार्निवल आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा कि पिछली और वर्तमान सरकार के कामकाज में अंतर लोग देख सकते हैं। चाकदह में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि चोरबागान हादसे की जांच के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए समिति में पुलिस या कोलकाता नगर निगम के किसी अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा।

बुराई का प्रतीक धू-धू कर जला रावण, लोगों ने लगाया जय श्रीराम का नारा

रांची,एजेंसी। राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में मंगलवार की शाम विजयादशमी के अवसर पर भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मैदान में जुटे। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की उपस्थिति में रावण दहन किया गया। इस दौरान पूरा मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। वहीं, भव्य आतिशबाजी ने लोगों का दिल जीत लिया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखेरती आतिशबाजी आकर्षण का मुख्य केंद्र रही।

मोरहाबादी मैदान में रावण दहन के दौरान की गई भव्य आतिशबाजी ने समारोह को और आकर्षक बना दिया। आसमान में एक के बाद एक रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी के नजारे देखकर मैदान में मौजूद लोग रोमांचित हो उठे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। परिवार के साथ पहुंचे लोगों ने रावण दहन का आनंद लिया। जैसे ही रावण का पुतला आग की लपटों में धिरा, मैदान तालियों और जयकारों से गूंज



उठा। मोरहाबादी मैदान में रावण दहन के दौरान की गई भव्य आतिशबाजी ने समारोह को और आकर्षक बना दिया। आसमान में एक के बाद एक रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी के नजारे देखकर मैदान में मौजूद लोग रोमांचित हो उठे।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। परिवार के साथ पहुंचे लोगों ने रावण दहन का आनंद लिया। जैसे ही रावण का पुतला आग की लपटों में धिरा, मैदान तालियों

और जयकारों से गूंज उठा। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि विजयादशमी का पर्व भगवान श्रीराम की ओर से रावण पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में मनाया जाता है। रावण दहन के माध्यम से समाज को अहंकार, अन्याय और बुराई का त्याग कर सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जाता है। मोरहाबादी मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम ने इसी परंपरा को जीवंत किया। लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ पर्व मनाया।